राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 23 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–272 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कभी बीजेपी को पुचकारते, तो कभी तेजस्वी पर प्यार लुटाते; नीतीश के मन में क्या चल रहा ?

● नीतीश कुमार जब अपने बयान की सफाई दे रहे थे तो उन्होंने तेजस्वी यादव के प्रति एक अभिभावक वाला स्नेह दिखाया। उन्होंने तेजस्वी यादव को बच्चा बताते हुए कहा कि अब यही हमारा सबकुछ है।

नई दिल्ली। जनता दल युनाइटेड भले ही बिहार में विधायकों की संख्या के मामले में तीसरे नंबर पर हो, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता आज भी बनी हुई है। यही कारण है कि उनके हर सियासी बयान की पटना से दिल्ली तक खूब चर्चा होती है। हाल ही में उन्होंने मोतिहारी में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति और राज्यपाल की उपस्थिति में बीजेपी नेताओं से उनकी दोस्ती अंतिम सांस तक चलने की बात कही थी। इसके बाद कयासों का दौर शुरू हो गया। लोग बीजेपी से उनकी नजदीकी का चर्चा करना लगे। इस मामले को तूल पकड़ता देख उन्होंने खुद इस मामले पर सफाई दी। हालांकि, उनकी सफाई ने एक और कयास को जन्म दे दिया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब अपने बयान की सफाई दे रहे थे तो उन्होंने तेजस्वी यादव के प्रति एक अभिभावक वाला स्नेह दिखाया। उन्होंने तेजस्वी यादव

को बच्चा बताते हुए कहा कि अब यही हमारा सबकुछ है। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि इंडिया गठबंधन में अगर नीतीश कुमार को सम्मानजनक स्थान मिलता है तो आने वाले समय में बिहार में बड़े पैमाने पर सियासी फेरबदल देखने को मिल सकती है।

> हाल ही में उन्होंने मोतिहारी में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति और राज्यपाल की उपस्थिति में बीजेपी नेताओं से उनकी दोस्ती अंतिम सांस तक चलने की बात कही थी। इसके बाद कयासों का दौर शुरू हो गया। लोग बीजेपी से उनकी नजदीकी का चर्चा करना लगे। इस मामले को तूल पकड़ता देख उन्होंने खुद इस मामले पर सफाई दी। हालांकि, उनकी सफाई ने एक और कयास को जन्म दे दिया।

आपको बता दें कि बीजेपी से अलग होने और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के साथ महागठबंधन बनाने के बाद नीतीश कुमार ने कई मौकों पर तेजस्वी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। उन्होंने विशेष रूप से यहां तक कहा कि जब बिहार में 2025 में विधानसभा चुनाव होंगे तो तेजस्वी यादव ही ग्रैंड अलायंस का नेतृत्व करेंगे।

इससे पहले उन्होंने गुरुवार को एक सार्वजनिक समारोह के दौरान भाजपा नेता राधा मोहन सिंह के साथ व्यक्तिगत दोस्ती का उल्लेख किया। इसके बाद अटकलें लगाई जाने लगीं कि यह भाजपा के साथ मतभेद सुधारने और अपने वर्तमान सहयोगियों राजद और कांग्रेस पर दबाव बनाने का एक प्रयास था।

इंडिया गठबंधन की परिकल्पना करने वाले नीतीश कुमार के बार में एक बात कहा जाता है कि ना तो वो किसी के परमानेंट दुश्मन हैं और ना ही परमानेंट दुश्मन। इसलिए वह दोनों ही खेमों के साथ अपने चैनल को खोलकर रखते हैं। जरूरत के हिसाब से उसका इस्तेमाल करते हैं।

ड्रग किंगपिन पर फडणवीस के हमले के बाद संजय राउत ने किया पलटवार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की ओर से ड्रग किंगपिन ललित पाटिल को लेकर ठाकरे गुट पर किए गए हमले पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, ... इस व्यक्ति (ललित पाटिल) का शिवसेना से कोई संबंध नहीं है। आपके मंत्रिमंडल में दादाजी भुसे नाम का एक आदमी है। वे उस व्यक्ति को शिवसेना में ले आए थे

और उसे अपना खास आदमी कहा था। उन्होंने कहा था कि वह आदमी भाजपा में जा रहा था लेकिन वे उसे यहां ले आए... वह कभी शिवसेना के सदस्य नहीं बने। राउत ने कहा कि फडणवीस को अपनी खुफिया जानकारी मजबूत करने के लिए कहें, अन्यथा हमास जैसी स्थिति पैदा हो जाएगी। इस्त्राइल ने सोचा कि उसकी खुफिया जानकारी मजबूत है, हमला कैसे कर सकता है... आप भी सोचते हैं कि आपकी बुद्धिमत्ता मजबूत है, लेकिन आप नहीं जानते कि आपकी पीठ पीछे क्या चल रहा है।

भारत ने संकटग्रस्त फिलिस्तानी नागरिकों के लिए भेजी 38 टन राहत व चिकित्सा सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने इजरायल-हमास संघर्ष के बीच फंसे फिलिस्तीन नागरिकों के लिए मानवीय सहायता भेजी है। भारतीय वायुसेना का सी-17 परिवहन विमान 32 टन राहत सामग्री और 6.5 टन चिकित्सा सहायता लेकर आज मिस्र से रवाना हुआ। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि फिलिस्तीन के लोगों के लिए लगभग 6.5 टन चिकित्सा सहायता और 32 टन आपदा राहत सामग्री लेकर आईएएफ का सी-17 परिवहन विमान मिस्र में एल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ। सामग्री में आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं, सर्जिकल सामान, तंबू, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, स्वच्छता सुविधाएं, जल शुद्धिकरण टैबलेट सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। हमास के हमले के बाद से इजरायल की प्रतिक्रिया के चलते गाजा पट्टी में रह रहे फिलिस्तीनी नागरिक वर्तमान में मानवीय संकट से गुजर रहे हैं।

अमित शाह के जन्मदिन पर पीएम मोदी का खास

अमित शाह प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई-पीएम मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज अपना 59वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खास संदेश दिया है। पीएम मोदी ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर अमित शाह को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अमित शाह की तारीफ करने के साथ उनके कामों की सराहना की है। उन्होंने कहा, अमित जी को जन्मदिन का हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने भारत के सुरक्षा तंत्र को बढ़ाने और सहकारी क्षेत्र को और विकसित करने में उल्लेखनीय योगदान देकर एक उत्कृष्ट प्रशासक के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

उन्होंने आगे कहा, वह भारत की प्रगति और गरीबों के लिए बेहतर जीवन को सुनिश्चित करने के लेकर उत्साहित रहते हैं। भाजपा को मजबूत करने में उनकी भूमिका सराहनीय है। उन्हें लंबी आयु और अद्भुत स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिले। गृह मंत्री अमित शाह के जन्मदिन के खास मौके पर अहमदाबाद में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी शामिल हुए।

एमपी में मुस्लिम वोटरों का क्या है गणित, कितनी सीटों पर दबदबा; कांग्रेस-बीजेपी क्यों है बेकरार

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस की द्विदलीय राजनीति में मुस्लिम वोट का कारक भले ही उत्तर प्रदेश और बिहार जितना महत्व नहीं रखता, लेकिन अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में कांटे की टक्कर होने की स्थिति में कम से कम 22 सीट पर इस अल्पसंख्यक समुदाय के वोट अहम साबित हो सकते हैं। कांग्रेस से संबंध रखने वाली मध्य प्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के समन्वयक मोहम्मद माहिर ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी का मत प्रतिशत कम से कम तीन से चार प्रतिशत बढ़ा, जिसके कारण वह भाजपा से थोड़ा आगे निकल गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के प्रमुख कमलनाथ ने 2018 में कहा था कि अगर 90 फीसदी अल्पसंख्यक वोट पार्टी के पक्ष में आते हैं तो पार्टी सरकार बना सकती है। माहिर ने कहा, %%कमलनाथ की अपील पर अल्पसंख्यकों के वोट कांग्रेस को मिले और इसका परिणाम यह हुआ कि पार्टी की झोली में 10-12 सीट और जुड़ गईं, जिन्हें पार्टी 2008 और 2013 में जीतने में विफल रही थी। पूर्ववर्ती चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत (41.02 प्रतिशत)

कांग्रेस से (40.89 प्रतिशत) से थोड़ा अधिक रहा था, लेकिन कांग्रेस 230 सीट में 114 सीट पर जीत हासिल कर सबसे अधिक सीट हासिल करने वाली पार्टी बनी थी, जबकि भाजपा को 109 सीट मिली थीं। इसके बाद कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई थी, लेकिन कुछ विधायकों के दल बदल लेने के कारण 15 महीने बाद यह सरकार गिर गई थी।

यहां निर्णायक भूमिका में मुस्लिम वोटर

माहिर ने पीटीआई-भाषा से कहा, मध्य प्रदेश में जब मतदाता भाजपा से नाराज होते हैं, तो वे कांग्रेस सरकार को चुनते हैं और इसी प्रकार कांग्रेस से मतदाताओं के नाराज होने पर भाजपा की सरकार बनती है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक, मध्य प्रदेश में मुस्लिम आबादी सात फीसदी है जो अब संभवत- नौ-10 फीसदी होनी चाहिए। मुस्लिम वोट 47 विधानसभा सीटों पर अहम हैं लेकिन 22 क्षेत्रों में वे निर्णायक कारक हैं। उन्होंने बताया कि इन 47 सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 5,000 से 15,000 के बीच है, जबकि 22 विधानसभा क्षेत्रों में इनकी संख्या 15,000 से 35,000 के बीच है। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि कांटे की टक्कर की स्थिति में 22 सीट पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। इन सीट में भोपाल की तीन, इंदौर की दो, बुरहानपुर, जावरा और जबलपुर समेत अन्य क्षेत्रों की सीट शामिल हैं।

सेना के फायर एंड फ्यूरी कोर ने अग्निवीर की शहादत को किया सलाम

● फायर एंड फ्यूरी कोर ट्वीट किया है कि कोर के सभी रैंक सियाचिन की दुर्गम ऊंचाइयों पर ड्यूटी के दौरान अग्निवीर (ऑपरेटर) गावटे अक्षय लक्ष्मण के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं और परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय सेना के फायर एंड फ्यूरी कोर ने अग्निवीर की शहादत पर अपनी संवेदनाएं प्रकट की है। फायर एंड फ्यूरी कोर ट्वीट किया है कि कोर के सभी रैंक सियाचिन की दुर्गम ऊंचाइयों पर ड्यूटी के दौरान अग्निवीर (ऑपरेटर) गावटे अक्षय लक्ष्मण के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं और परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। बता दें कि कुछ दिनों पूर्व पंजाब के मानसा के अग्निवीर अमृतपाल सिंह की मौत के बाद अंतिम संस्कार के दौरान सेना की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिए जाने पर पंजाब के विपक्षी दलों ने

दुख जताया था। हालांकि सेना ने बयान जारी कर अमृतपाल की मौत सर्विस राइफल से लगी गोली से होना बताया था और कहा था कि मौजूदा नीति के अनुसार गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिया गया।

सत्ता पाने को लालायित कांग्रेस का 'लेफ्ट टर्न'

नागपुर। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने वामपंथी नेताओं की मदद से अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर रही है। पिछले कुछ दिनों से नागपुर समेत महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा हैं। कम्युनिस्ट और कांग्रेस के ऐसे गठजोड़ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह आरोप कि कांग्रेस शहरी नक्सलियों द्वारा नियंत्रित है, एक बार फिर राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 25 सितंबर को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की रैली में कहा था कि कांग्रेस एक कंपनी बन गई है और पार्टी ने नीतियों, विचारों और योजनाओं को आउटसोर्स करना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि शहरी नक्सली कांग्रेस को चला रहे हैं। वामपंथियों के माध्यम से कांग्रेसियों का प्रशिक्षण प्रधानमंत्री के आरोप को बल देता है। कांग्रेस के कई नेता तो दबी आवाज में यह तक कहते हैं कि कांग्रेस का 'भारत जोड़ो अभियान' वामपंथियों की अवधारणा पर आधारित था।

कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बताया है तुषार गांधी और योगेन्द्र यादव ने नागपुर के कस्तूरबा भवन में कांग्रेस पदाधिकारियों की काउंसिलिंग की है। इस बीच कांग्रेस के भारत जोड़ो अभियान के तहत लोकसभा मिशन 24 नाम से प्रशिक्षण वर्ग की भी सुगबुगाहट तेज है। बताया गया है कि तीन दिवसीय ऑनलाइन एवं दो दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण रत्नागिरी एवं नागपुर में दिया जा चुका है। इसमें वामपंथी विचारकों ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए बूथ से लेकर विधानसभा क्षेत्र तक कैसी योजना बनाई जाए, यह समझाया है। इनको यह भी समझाया गया कि इसमें सरकार से असंतुष्ट लोग सहायक हो सकते हैं। इसलिए ऐसे लोगों को खोजकर मजबूत नेटवर्क खड़ा किया जा सकता है। इस नेटवर्क में युवाओं, विद्यार्थियों और मजदूरों को आसानी से जोड़ा जा सकता है, जिससे सरकार की नीतियों के खिलाफ अभियान चलाया जा सके।कानूनी विशेषज्ञों और सोशल मीडिया में सक्रिय लोगों को जोड़कर मकसद के करीब पहुंचा जा सकता है।

बताया गया है कि प्रशिक्षणार्थियों को भेजे गए संदेश में इसका उल्लेख खास तौर पर किया गया कि शिविर में योगेन्द्र यादव, शशिकांत सेंथिल, उल्का महाजन, संजय गोपाल आदि विशेषज्ञ मार्गदर्शक के रूप में मौजूद रहेंगे। इस गठजोड़ पर वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक एलटी जोशी कहते हैं कि जब कभी कांग्रेस और वामपंथी एक साथ आए तो देश को कुछ न कुछ नुकसान जरूर हुआ है। वामपंथियों ने 1967-68 में अल्पमत में फंसी इंदिरा गांधी सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया और बदले में सभी सामाजिक और शैक्षणिक संस्थानों पर कब्जा कर लिया। अब राहुल गांधी की कांग्रेस चीन की पहल और मदद से वामपंथियों के साथ मिलकर आगे बढ़ रही है। राजनीति में हर चीज का मूल्य होता है। और इस गठजोड़ की कीमत भारत और भारतीय समाज को चुकानी पड़ेगी।

आजम खान को सता रहा एनकाउंटर का डर, सीतापुर जेल भेजे गए; बेटा अब्दुल्ला हरदोई शिफ्ट

रामपुर। दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में सात-सात साल की सजा पाए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनके बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम की जेल शिफ्ट की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक आजम को रामपुर से सीतापुर जेल और अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल भेजा जा रहा है। सुबह पांच बजे उन्हें रामपुर जेल से निकाला गया। इस दौरान आजम खान ने अपनी हत्या की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि हमारी हत्या भी कराई जा सकती है। कुछ भी हो सकता है।

बता दें कि इस मामले में आजम खान की पत्नी तंजीन फातिमा को भी सात साल की सजा सुनाई गई है। वह रामपुर जेल में ही रहेंगी। दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में कोर्ट ने 18 अक्टूबर को आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। सजा सुनाए जाने के बाद तीनों को रामपुर जेल भेज दिया गया था। वहां रहने के दौरान उनकी कोरोना जांच कराई गई थी।

कल आजम खान के बड़े बेटे अदीब ने जेल में तीनों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि इस दौरान आजम खान भावुक हो गए थे। बताया जा

> सजा सुनाए जाने के बाद तीनों को रामपुर जेल भेज दिया गया था। वहां रहने के दौरान उनकी कोरोना जांच कराई गई थी।

रहा है कि शनिवार देर रात पुलिस प्रशासन को सपा नेता मोहम्मद आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को बाहर भेजने का आदेश मिल गया। इसके बाद रविवार सुबह सपा नेता मोहम्मद आजम खां को सीतापुर और अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल भेजा गया है। रविवार की सुबह पांच बजे के करीब आजम खान को जब जेल से निकाला गया तो उन्होंने कहा, हमारा एनकाउंटर भी कराया जा सकता है।

अदीब ने की तीनों से मुलाकात, खाने का सामान भी दिया

शनिवार दोपहर को रामपुर जेल पहुंचे आजम खान के बड़े बेटे अदीब ने पिता, भाई और मां से भी मुलाकात की। जेल में अदीब अपने साथ खाने का सामान और कपड़े भी लेकर पहुंचे थे। उन्होंने तीनों को खाने का सामान भी दिया और करीब आधे घंटे से अधिक की मुलाकात के बाद वापस चले गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

खेल से खिलवाड़

एक तो खेल संघों में राजनेताओं का कब्जा और दूसरा सरकारों द्वारा बदलते वक्त के साथ खेल जरूरतों की अनदेखी करना। ताजा उदाहरण पंजाब सरकार व पंजाब ओलंपिक एसोसिएशन यानी पीओए के बीच टकराव का है। जिसके चलते 37वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिये खिलाड़ियों को अपनी जेब से खर्चा करना पड़ा रहा है। यहां तक कि खिलाड़ियों ने खेल किट खरीदने के लिये भी अपनी जेबें ढीली की हैं।

एक समय था कि पंजाब के खिलाड़ियों का पूरे देश में खास रुतबा होता था। हर जगह पंजाब के खिलाड़ी देश में सिरमौर हुआ करते थे। लंबे-बलिष्ठ और ऊर्जा से लबरेज खिलाड़ी हॉकी से लेकर एथलेटिक्स तक छाये रहते थे। उड़न सिख मिल्खा सिंह खेलों की दुनिया में मिथक बन गये। सवाल उठता है कि आखिर ऐसा क्या हुआ जिसने पंजाब के खेलों के खिलते सूरज का ग्रास कर लिया? निस्संदेह, पंजाब के काले दौर ने भी समाज में भय, अवसाद व कुंठा का ऐसा वातावरण बनाया कि उसमें खेल जैसे स्वस्थ अहसासों पर प्रतिकूल असर पड़ा। लेकिन सत्ताधीशों की उदासीनता और राजनीतिक हस्तक्षेप भी एक बड़ा कारण रहा है। जिसके चलते पंजाब खेल जगत में अपने वर्चस्व के सुख से वंचित हुआ। एक तो खेल संघों में राजनेताओं का कब्जा और दूसरा सरकारों द्वारा बदलते वक्त के साथ खेल जरूरतों की अनदेखी करना। ताजा उदाहरण पंजाब सरकार व पंजाब ओलंपिक एसोसिएशन यानी पीओए के बीच टकराव का है। जिसके चलते 37वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिये खिलाड़ियों को अपनी जेब से खर्चा करना पड़ा रहा है। यहां तक कि खिलाड़ियों ने खेल किट खरीदने के लिये भी अपनी जेबें ढीली की हैं। हालात ये हैं कि पीओए व सरकार के बीच जारी टकराव के चलते 350 से अधिक खिलाड़ियों को 26 अक्तूबर को होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने में परेशानी हो रही है। दरअसल, इस विवाद के मूल में सरकार की यह दलील है कि दो सितंबर को हुआ पंजाब ओलंपिक संघ का चुनाव वैध नहीं है। दलील है कि इस चुनाव में सरकारी पर्यवेक्षक को आमंत्रित नहीं किया गया। वहीं पीओए का कहना है कि यह मतदान पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमरनाथ जिंदल की देखरेख में संपन्न हुआ। यह भी कि सरकारी प्रतिनिधि की अनिवार्य उपस्थिति का कोई नियम नहीं है। निश्चित तौर पर ऐसे विवाद से खिलाड़ियों के मनोबल पर असर पड़ेगा। पीओए भी कह रहा है कि खराब प्रदर्शन रहा तो उसकी जिम्मेदारी नहीं होगी। दरअसल, विगत में यह होता आया है कि राज्य सरकार पंजाब राज्य खेल परिषद के माध्यम से खिलाड़ियों के लिये एकमुश्त राशि पंजाब ओलंपिक संघ को देती रही है। इस बार राज्य सरकार की तरफ से फंडिंग के अभाव में पीओए ने अपने राज्य खेल संघों से खिलाड़ियों के लिये स्लीपर क्लास के रेलवे टिकट आरक्षित करने को कहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि खेल संघों के पास हमेशा धन की किल्लत रहती है। जिसका अर्थ यह भी है कि तमाम खिलाड़ियों को अपने टिकट का खुद ही जुगाड़ करना पड़ेगा। वक्त की जरूरत है कि इस अनावश्यक विवाद को टाला जाए, ताकि खिलाड़ी उत्साह व उमंग से राष्ट्रीय खेलों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। यह निश्चित ही है कि इस विवाद के चलते खिलाड़ियों के अभ्यास शिविर भी प्रभावित हुए होंगे। इससे पहले उम्मीद थी कि इस बार पंजाब के खिलाड़ी वर्ष 2022 में गुजरात में संपन्न राष्ट्रीय खेलों में हासिल की गई राज्य की दसवीं रैंकिंग में सुधार करेंगे। लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते उत्पन्न विवाद को देखते हुए निराशा ही होती है। सवाल है कि राज्य की प्रतिष्ठा के प्रतीक खेलों के प्रति पंजाब के राजनेता व नौकरशाह कब गंभीर होंगे? काश, पंजाब के हुकमरान हरियाणा की खेलों में अप्रत्याशित कामयाबी से सबक लेते। आज हरियाणा के खिलाड़ी हॉकी से लेकर क्रिकेट तथा पहलवानी से लेकर भाला फेंक तक विश्व में कीर्तिमान बना रहे हैं। एक तरफ जहां 'दूध-दही के खाने' वाले प्रदेश ने शाकाहार की ताकत दुनिया को बतायी है, वहीं राज्य के राजनेताओं ने भी खेलों के प्रति सकारात्मक और उत्साहजनक दृष्टिकोण अपनाया है। जिस प्रदेश में खापों के न

सूक्ति

जीवन में सदैव सुख ही मिले यह बहुत दुर्लभ है।
- महर्षि वाल्मीकि

उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाए।
- स्वामी विवेकानंद

लॉफिंग ज़ोन

बंता अमेरिका गया था। एक दिन वह वहां के एक किराने दुकान में गया। जरूरत की सारी चीजें चुनकर वह काउंटर पर आया।

वहां खड़े कर्मचारी ने बिल बनाकर उसकी तरफ बढ़ा दिया। मगर बंता उनसे फैट मांगने लगा, मेरा फैट कहां है? कर्मचारी उसकी बात समझ नहीं रहे थे। अंत में बंता चीखने-चिल्लाने लगा।

उसकी चिल्लाहट सुनकर दुकान में खड़े सभी लोग वहां जुट गए। दुकान का मैनेजर भी बंता के पास आ गया। मैनेजर को देखते ही बंता ने चीखते हुए कहा, ओए मैनेजर, मैंने यह दही खरीदा है। इसके ऊपर लिखा है फैट फ्री, अब बताओ तुम्हारे लोग मुझे फैट नहीं दे रहे हैं।

☺ ☺ ☺

शराबी : हे भगवान ! क्या आप मेरी शराब छुडवा देंगे ?

भगवान : जरूर वत्स।

शराबी : तो मेरी 14 शराब की बोतलें पुलिस ने जब्त कर ली हैं , उन्हें छुड़वा दीजिए प्लीज. !

☺ ☺ ☺

संता काफी परेशान था। उसने अपने दोस्त से कहा - यार मुझे तेलुगु सीखनी है , वह भी छह महीने में।

दोस्त- क्यों यार ?

संता - हमने तेलुगु बच्चा अडॉप्ट किया है। जब वह छह महीने बाद बोलने लगेगा तो हम उसके साथ बात कैसे करेंगे ?

किसान की जीवन निर्वाह आय यकीनी बनाएं

देविंदर शर्मा

किसानों के लिए जीवन निर्वाह आय की विभिन्न परिभाषाएं दी जाती रही हैं। इसको लेकर एक परिभाषा 1.8 मिलियन से अधिक किसानों के सहकार वाले वैश्विक आंदोलन फेयरट्रेड इंटरनेशनल ने भी दी है जिसके मुताबिक, घर के सभी सदस्यों के लिए एक सभ्य जीवन स्तर वहन करने के लिए पर्याप्त आय- जिसमें पौष्टिक आहार, स्वच्छ पानी, ठीक-ठाक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य मूलभूत ज़रूरतों के साथ ही आपातकालीन स्थिति और बचत के लिए थोड़ा अतिरिक्त- उसके बाद जब एक बार कृषि लागत कवर हो जाये।' अपने विनम्र ढंग से मैं लगातार उस आर्थिक नुकसान की ओर ध्यान दिलाता रहा हूं जिसे भारतीय किसान झेल रहे हैं। किसानों को जीवन निर्वाह योग्य आमदन देने में आनाकानी ने कृषि संकट को बढ़ावा दिया है। दशकों से, हालांकि कृषि पैदावार में आशातीत वृद्धि हुई है लेकिन किसान की आय में सतत गिरावट जारी रही है। कई तरह से, यह कहना गलत नहीं होगा कि पैदावार में वृद्धि कृषक परिवारों की असल आमदन में औसत गिरावट की विपरीत समानुपातिक रही है। साल 2016 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 17 राज्यों में, यानी तकरीबन आधे देश में किसानों की औसत आमदन मात्र 20,000 रुपये यानी 241 डॉलर प्रति वर्ष थी। इसका अर्थ है कि एक औसत किसान परिवार 1,700 रुपये यानी 21 डॉलर प्रति माह से कम में गुजर-बसर कर रहा था। यदि आप गांव में रहते हैं तो यह आय एक गाय पालने के लिए भी काफी नहीं है। ऐसी हास्यास्पद आय के साथ, किसान जिस दुख और अभाव की स्थिति में रहते हैं उसकी यकीनी तौर पर कल्पना की जा सकती है। यह दयनीय आय स्तर आधे देश में रह रहे किसानों के लिए है। परंतु राष्ट्रीय स्तर पर भी तसवीर इतनी ही अपमानजनक है। कृषक परिवारों के लिए सिचुएशनल एसेसमेंट सर्वे 2019 के मुताबिक, किसान परिवार की सभी स्रोतों से औसत मासिक आय मात्र 10218 रुपये यानी 123 डॉलर बनती है। यह मानते हुए कि देश की कुल जनसंख्या का लगभग 50 फीसदी हिस्सा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर खेती में कार्यरत है, किसानों की दुर्दशा के पीछे मौजूद प्राथमिक वजह साफ तौर पर समझे जाने योग्य है। वैश्विक स्तर पर भी, खेती का परिदृश्य इतना ही निराशाजनक है। यदि कृषि में बड़े पैमाने पर घरेलू समर्थन जो 2019-21 में सार्वजनिक बजट से भुगतान किया गया 500 बिलियन डॉलर - वापस ले लिया गया, तो विकसित देशों में खेती में जो कुछ भी बाकी है, उसका पतन निश्चित है। सरल शब्दों में कहें तो खेती करने वाली आबादी को लगातार वेंटिलेटर पर रखने का निरंतर प्रयास ही किसानों को जीवित रखता है, और किसी तरह से सभी रुकावटों के खिलाफ संघर्ष करने का बंदोबस्त करता है। दुनिया के सामने आ रहा खेती से यह पलायन एक आर्थिक षड्यंत्र का परिणाम है जिसने जानबूझकर खेती को गरीब बनाए रखा है। अन्य शब्दों में, विश्व स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर भी, यह आर्थिक डिजाइन है जिसने कृषक परिवारों को जीवन निर्वाह योग्य आय से महरूम कर दिया है, जिससे कृषि के पराभव को और बदतर कर दिया है। इस अहम मोड़ पर, फेयर ट्रेड, सॉलिडेरिडाड, रेनफॉरेस्ट एलायंस, ऑक्सफैम और माइटी अर्थ सहित 70 अंतर्राष्ट्रीय सिविल सोसायटी संगठनों (सीएसओ) के एक ग्रुप को यूरोपीय संघ के कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी ड्यू डिलिजेंस निर्देश (सीएसडीडीडी) में संशोधन की मांग करते हुए देखना बहुत खुशी की बात है जो प्रस्ताव में जीवन निर्वाह आमदन और खरी खरीद प्रथाओं को शामिल करने के लिए है। 'हम सीएसडीडीडी और कंपनियों की वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के मानव अधिकारों और पर्यावरणीय प्रभाव को संबोधित करने के इसके लक्ष्य का स्वागत करते हैं। हालांकि, सकारात्मक बदलावों को लाने के लिए, इसे अधिकार धारकों के हितों और जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए, खास तौर पर उनके जो वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में सबसे कमजोर हैं।' हालांकि यूरोपियन संसद ने पहले ही जीवन निर्वाह आय का संदर्भ (अनुलग्नक का भाग 1, उपशीर्षक 1, बिंदु 7) शामिल कर लिया है जिसमें कहा गया है कि काम की न्यायसंगत और अनुकूल परिस्थितियों का आनंद लेने का अधिकार, जिसमें सभ्य जिंदगी जीने के योग्य पारिश्रमिक भी शामिल है। सीएसओ की संयुक्त याचिका में 'स्वरोजगार वाले श्रमिकों के लिए जीवन निर्वाह योग्य मजदूरी और छोटे किसानों के लिए जीवन निर्वाह आय का अधिकार दोनों शामिल हैं' जिसमें गुजारे योग्य आय का स्पष्ट संदर्भ मांगा गया है ताकि छोटे भूमालिक और अन्य कमजोर वर्ग वास्तव में लाभ उठा सकें। यह जानते हुए कि छोटे भूमालिक दुनिया की कुल खाद्य आपूर्ति का एक तिहाई हिस्सा पैदा करते हैं, और मूल निवासी एवं स्थानीय समुदाय वनों के करीब 1 बिलियन हेक्टेयर का प्रबंधन करते हैं, उनकी गुजारे लायक आजीविका सुरक्षा यकीनी बनाना महत्वपूर्ण है। ये समुदाय समाज के शंकु के निचले पायदान रहते हैं। गरीबी से पार पाने को इन संवेदनशील समुदायों के लिए निर्वाह योग्य आय के साथ गुजारे योग्य पारिश्रमिक सुनिश्चित बनाना जरूरी है। जबकि जी-20 का प्रयास ग्लोबल वेल्यू श्रृंखलाओं को मजबूती प्रदान करना है लेकिन इन कंपनियों को आधारभूत कच्चे माल के उत्पादकों के लिए आय सुरक्षा प्रदान करने का स्पष्ट निर्देश शामिल करना कभी किसी नीति निर्देशक का हिस्सा नहीं रहा है। एक लेख 'नो सस्टेनेबल वर्ल्ड विदाउट ए लिविंग इनकम फॉर फार्मर्स' (फेयर फूड, 22 सितंबर 2021) में मैंने बात की थी कि कैसे कुछेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथ में शक्ति केंद्रीकृत होने का परिणाम अनुचित व्यापार व्यवहार के रूप में सामने है जिसने एशिया अफ्रीका और लेटिन अमेरिका में लाखों छोटे किसानों और भूमिहीन श्रमिकों की आजीविका को प्रभावित किया। कॉफी का मामला ही लें, जो 200 बिलियन डॉलर की इंडस्ट्री है, प्रतिदिन 3 अरब कप गटके जाते हैं, इसके बावजूद अधिकतर कॉफी बीन उत्पादक रोजाना 2.15 डॉलर में घोर अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा के नीचे जीवन जीते हैं। केवल कॉफी के लिए ही नहीं, बल्कि यह बात उन सभी कृषि पदार्थों के लिए है जिनका वैश्विक स्तर पर व्यापार होता है। जबकि मूल्य श्रृंखलाओं का ऊपरी वर्ग जमकर लाभ कमाता है वहीं श्रृंखला के निम्नतम तल पर मौजूद गरीब उत्पादकों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। ज्यादातर मामलों में वेल्यू चेन का जो हिस्सा कच्चे माल उत्पादकों के पास जाता है वह उत्पादन लागत को भी पूरी नहीं करता है। भारत में डेयरी को-आपरेटिव्स के अनुभव से सीखा जा सकता है, जिसमें डेयरी किसान को अंतिम उपभोक्ता कीमत का 80 फीसदी प्राप्त होता है। अब यह आकलन करने का समय आ गया है कि ग्लोबल वेल्यू चेन के कारोबार के कितने फीसदी को जीवन निर्वाह आय के रूप में वर्गीकृत किया जाये। यह तथ्य कि उपभोक्ता कीमत का डेयरी किसान को मिलने वाला हिस्सा इतना ज्यादा है फिर भी निजी क्षेत्र समेत भारत में मिल्क प्लांट घाटे में नहीं हैं, स्पष्टतया दर्शाता है कि शेयर को स्पष्ट तौर पर बताना होगा। मेरा सुझाव है कि अंतिम उपभोक्ता कीमत में किसान का हिस्सा 50 फीसदी से कम नहीं होना चाहिये।

ऐतिहासिक रूप से लालची वैश्विक मूल्य श्रृंखला द्वारा छोटे भू-मालिकों, किसानों और पशु पालकों को अधिकारपूर्ण देय से वंचित रखा गया। केवल ईयू में ही नहीं बल्कि इस तरह के निर्देश का भारत जैसे देशों और बाकी विकासशील विश्व में भी अनुकरण किया जाना चाहिये। यह उस आय असमानता की खाई को पाटने में मददगार होगा जिससे दुनिया जूझ रही है और नहीं जानती कि इससे बाहर आने की राह क्या है।

लेखक कृषि मामलों के जानकार हैं।

जीत के लिए महत्वपूर्ण युवा और महिला मतदाता

उमेश चतुर्वेदी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का बिगुल बज चुका है। राजनीतिक दलों का सियासी जोड़-घटाव में जुटना स्वाभाविक है। लेकिन चुनाव आयोग के आंकड़ों पर भरोसा करें तो इन चुनावों में सबसे अहम भूमिका युवा मतदाताओं की होने जा रही है। माना जा रहा है कि जिन्होंने युवाओं को साध लिया, जीत उसके हाथ लगने की संभावना ज्यादा है। इसकी वजह है, इन राज्यों में नए वोटर बने कुल मतदाताओं की संख्या। पांचों राज्यों में करीब साठ लाख वोटर पहली बार मतदान करने वाले हैं। जाहिर है कि उनमें पहली बार वोट डालने का उत्साह है और वे अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग भी पूरे उत्साह से करेंगे। चुनाव वाले इन राज्यों में जनसंख्या के लिहाज से सबसे बड़ा राज्य मध्य प्रदेश है। यहां सर्वाधिक 22 लाख 36 हजार नए वोटर बने हैं व 230 विधानसभा सीटें हैं। औसतन हर सीट पर करीब 9722 नए वोटर होंगे। लेकिन प्रति सीट नए वोटर के लिहाज से राजस्थान की स्थिति मध्य प्रदेश से बेहतर है। राजस्थान विधानसभा चुनावों में पहली बार करीब 22 लाख चार हजार वोटर वोट डालने जा रहे हैं। राज्य की 200 विधानसभा सीटों के लिहाज से देखें तो हर सीट पर करीब 11020 नए वोटर होंगे। इसी तरह छत्तीसगढ़ में सात लाख तेईस हजार नए वोटर बने हैं जिनका प्रति सीट औसत आठ हजार तैंतीस है। नए वोटरों के रुझान और उसके सियासी प्रभावों से पहले तीनों राज्यों में महिला वोटरों की संख्या पर ध्यान दिया जाना चाहिए। वजह यह कि पिछले कुछ चुनावों से महिलाओं के मतदान का रुझान अपने परिवारों से कुछ अलग नजर आया है। पहले माना जाता रहा कि परिवार के पुरुष मुखिया के वैचारिक रुझान के हिसाब से ही महिलाएं भी वोट देती रही हैं। लेकिन अब महिलाएं अपनी पसंद से वोट डालने लगी हैं। साल 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी की जीत के पीछे महिलाओं और युवा वोटरों का साथ माना गया था। छत्तीसगढ़ में पुरुष वोटरों की तुलना में महिला वोटरों की संख्या ज्यादा है। यहां एक करोड़ एक लाख पुरुष वोटरों की तुलना में महिला वोटरों की संख्या एक करोड़ दो लाख है। जाहिर है, हर सीट पर करीब 1111 महिला वोटर पुरुष वोटरों की निस्बत ज्यादा हैं। हालांकि मध्य प्रदेश और राजस्थान में ऐसी स्थिति नहीं है। राजस्थान में दो करोड़ 74 लाख वोटरों के सामने करीब दो करोड़ 52 लाख ही महिला वोटर हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश के दो करोड़ 88 लाख पुरुष वोटरों के अनुपात में महिला वोटरों की संख्या दो करोड़ 72 लाख ही है। इन आंकड़ों पर फौरी निगाह डालने की जरूरत विगत के मतदान में युवा और महिला वोटरों की भागीदारी के रुझान के चलते है। दोनों वर्गों के मतदाताओं ने जिसे चाहा, जीत उसे ही हासिल हुई। विगत के हिमाचल चुनावों में महिलाओं ने कांग्रेस को ज्यादा समर्थन दिया, जिसकी वजह से कांग्रेस को भाजपा के मुकाबले कुल 36 हजार से कुछ ज्यादा मत मिले और वह जीतने में कामयाब रही। कुछ ऐसी ही स्थिति कर्नाटक में भी रही। वहां के स्थानीय मुद्दों खासकर पांच गारंटी और महंगाई ने महिलाओं और युवाओं को ज्यादा लुभाया। इस लिहाज से , राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावों में भी महिला और युवा वोटर बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं। शायद यही वजह कि तीनों राज्यों के दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दलों की कोशिश महिलाओं व युवाओं को रिझाने की है। महिला सम्मान निधि और युवाओं को बेरोजगारी भत्ता आदि देने के जो दनादन वायदे किये जाते रहे, उसकी वजह यही रही। साल 1989 के चुनावों के पहले तत्कालीन राजीव सरकार ने युवाओं के मतदान के लिए उम्र सीमा को 21 से घटाकर 18 साल कर दिया था। राजीव को उम्मीद थी कि उन्हें युवाओं का साथ मिलेगा। साल 2014 के ठीक पहले

सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न देने के पीछे तत्कालीन कांग्रेस सरकार की सोच सचिन को सम्मानित करने के साथ ही इसके जरिये युवाओं में पैठ बनाने की थी। हालांकि दोनों ही बार कांग्रेस का दांव नाकाम रहा। चुनावी पंडित मानते हैं कि राजीव की हार में नए बने करोड़ों वोटरों ने बड़ी भूमिका निभाई थी। हाल के वर्षों में महिलाओं ने जिस तरह खुलकर अपनी पसंद के हिसाब से मतदान करना शुरू किया है, वह छुपा नहीं है। साल 2020 के बिहार विस चुनावों में विपरीत हालात के बाद नीतीश को जीत मिली, उसकी बड़ी वजह महिलाओं का समर्थन रहा। इसी तरह 2022 के उत्तर प्रदेश विस चुनावों में योगी सरकार को महिलाओं ने खूब समर्थन दिया। पश्चिम बंगाल में ममता के साथ महिला वोटर पूरे दम से खड़ी रहीं। इन चुनावों के नतीजे सामने हैं। इस लिहाज से राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावी नतीजों का दारोमदार महिलाओं पर ही होगा। छत्तीसगढ़ में तो महिलाएं पुरुषों के मुकाबले ज्यादा ही हैं, इसलिए वहां तो साफ लग रहा है कि जिधर महिलाएं गईं, उसी के नेता के सिर ताज होगा। उनके वोटों में अगर युवाओं का साथ मिल गया तो उस दल के लिए वह सोने पर सुहागा ही होगा। बहरहाल, तीनों राज्यों में चुनावी तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा है। ऐसे में तीनों राज्यों के मैदान में सियासी छक्का लगाने के लिए उतरने वाले दल अपने-अपने हिसाब से महिलाओं और युवाओं को लुभाने की कोशिश करेंगे ताकि बाजी उनके ही हाथ लगे।

(चिंतन-मनन)

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं। महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शापाङ्ग में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

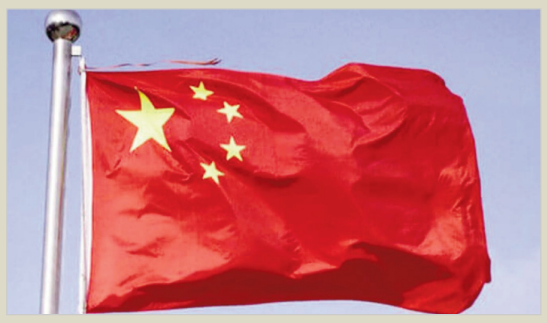

चीन ने प्रमुख ईवी बैटरी घटक पर नए निर्यात प्रतिबंध लगाए

गक्कांग । चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दिसंबर से कुछ ग्रेफाइट उत्पादों पर अतिरिक्त निर्यात प्रतिबंधों की घोषणा की है। चीन का यह कदम दुनिया भर में ईवी निर्माताओं को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि देश प्राकृतिक ग्रेफाइट का मुख्े य स्रोत और उत्पादक है। एक रिपोर्ट में बताया कि चीन में निर्यातकों को 1 दिसंबर से परमिट के लिए आवेदन करने की आवश्यकता होगी। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ग्रेफाइट के शीर्ष आयातकों में से हैं। मशीनरी, पेट्रोकेमिकल, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों के लिए बैटरी, ईंधन सेल और स्नेहक बनाने के लिए ग्रेफाइट का व्यापक रूप से उपयोग होता है। हाल के वर्षों में मांग बढ़ी है क्योंकि यह इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कच्चा माल है। चीन ने 2022 में कुल विश्व ग्रेफाइट आपूर्ति का अनुमानित 65 प्रतिशत उत्पादन किया। देश के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, विशिष्ट ग्रेफाइट वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लगाना एक आम अंतरराष्ट्रीय प्रथा है। दुनिया के सबसे बड़े ग्रेफाइट उत्पादक और निर्यातक के रूप में चीन लंबे समय से अप्रसार जैसे अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को मजबूती से पूरा कर रहा है। मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा की आवश्यकता के आधार पर चीन ने कानून के अनुसार विशिष्ट ग्रेफाइट वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लागू किया है, और कुछ ग्रेफाइट वस्तुओं पर अस्थायी नियंत्रण लागू किया है।

जनवरी से सितंबर तक चीनी राष्ट्रीय रेलवे ने 2.897 अरब टन माल भेजा

बीजिंग। चाइना स्टेट रेलवे ग्रुप कंपनी लिमिटेड से मिली खबर के अनुसार, इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक, चीनी राष्ट्रीय रेलवे ने कुल 2.897 अरब टन माल भेजा, और माल परिवहन ने उच्च स्तर बनाए रखा। पहला, माल ढुलाई क्षमता का विस्तार जारी है। चीन ने राष्ट्रीय रेलवे के ÷एक नेटवर्क÷ और केंद्रीकृत और एकीकृत कमांड के लाभों पर पूरा ध्यान दिया, अच्छी तरह से लाइनों, स्टेशनों, लोकोमोटिव, वाहनों और मानव संसाधनों के उपयोग का समन्वय किया, परिवहन और ट्रकों की लोडिंग और अनलोडिंग का अनुकूलन किया, और रेलवे कार्गो परिवहन क्षमता और दक्षता में सुधार किया। दूसरा, अंतर्राष्ट्रीय परिवहन की गुणवत्ता और दक्षता में सुधार किया गया। चीन-यूरोप मालगाड़ी पोर्टल वेबसाइट सफलतापूर्वक लॉन्च की गई, जिससे चीन-यूरोप मालगाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता में और सुधार हुआ। चीन-यूरोप मालगाड़ियों की संख्या और टन भार का विस्तार करने के उपायों को लागू करना जारी रखा, और ट्रेन मार्शलिंग और पोर्ट स्टेशन हैंडओवर क्षमता में सुधार किया गया। तीसरा, माल ढुलाई उत्पादों का अनुकूलन और सुधार किया गया। कंटेनरीकृत परिवहन, मल्टीमॉडल परिवहन और तेज़ लॉजिस्टिक्स का जोरदार विकास किया गया और व्यापक परिवहन सेवा क्षमता को बढ़ाया गया।

चीनी यिवू अंतर्राष्ट्रीय छोटी वस्तु (मानक) मेला उद्घाटित

बीजिंग।

29वां चीनी यिवू अंतर्राष्ट्रीय छोटी वस्तु (मानक) मेला 21 अक्तूबर को चीन के चच्यांग प्रांत के यिवू में शुरू हुआ। 2,400 उद्यम मेले में हिस्सा ले रहे हैं। बताया जाता है कि वर्तमान मेले में 3,800 अंतर्राष्ट्रीय मानक मंडप स्थापित किए गए हैं। 2,400 उद्यम दैनिक उपभोक्ता सामान, खेल और आउटडोर उत्पाद, संस्कृति, काम, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, निर्माण हार्डवेयर और अन्य व्यवसाय से जुड़े हैं। व्यापारिक पारिस्थितिक प्रदर्शनी क्षेत्र में एआई तकनीक का प्रदर्शन किया जा रहा है। इससे बाज़ार निर्माण, डिजिटल व्यापार और सीमा-पार भुगतान आदि में एआई की भूमिका प्रदर्शित हुई है। पाकिस्तान के खरीदार वुसमैन और उनके साथियों ने यिवू द्वारा विकसित एआई उत्पाद का अनुभव किया। इससे लोग उत्पाद ढूंढ सकते हैं, दुकान का पता लगा सकते हैं और विभिन्न जानकारी की जांच कर सकते हैं। बताया जाता है कि वर्तमान मेले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा, ताकि चीनी और विदेशी बाजार का फायदा उठाने में उद्यमों को सहायता दी जा सके।

पीएनबी घोटाले से भी बड़े 16,000 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी ने उड़ाए होश

मुंबई।

एक डिजिटल भुगतान कंपनी ने रोजाना किए जाने वाले लाखों लोगों में से एक लेनदेन पर नजर डाली, तो पता लगा कि यह 16,180 करोड़ रुपये से ज्यादा के धोखाधड़ी वाला लेनदेन है। यह जनवरी 2018 के पंजाब नेशनल बैंक घोटाले से भी बड़ा था, जिसमें शीर्ष हीरा व्यापारी शामिल थे। इस मामले ने ठाणे पुलिस को चक्कर में डाल दिया। इस बड़े घोटाले का आधिकारिक तौर पर खुलासा 9 अक्टूबर को ठाणे के श्रीनगर पुलिस स्टेशन द्वारा किया गया, जिसने सेफएक्सपे टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, ठाणे द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद एफआईआर दर्ज की। पुलिस जांचकर्ताओं ने कहा कि सेफएक्सपे के पेआउट प्लेटफॉर्म को कथित तौर पर कुछ अज्ञात संस्थाओं द्वारा हैक कर लिया गया था, और बाद की जांच से पता चला कि कम से कम 16,180 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई है, जिसमें से कुछ पैसे विदेश भेजे गए हैं। ठाणे स्थित सेफएक्सपे के संस्थापक-सीईओ रवि गुप्ता ने कहा कि यह घोटाला अप्रैल के आसपास सामने आया जब दिल्ली, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के चार व्यापारियों ने बैंक शेष और सिस्टम शेष के बीच संदिग्ध विसंगतियों की सूचना दी। सेफएक्सपे की वित्तीय संचालन टीमों द्वारा सावधानीपूर्वक आंतरिक जांच में पाया गया कि इन चारों में से एक व्यापारी के लॉगिन से छेड़छाड़ की गई है और आगे यह पाया गया कि संदिग्ध लेनदेन उनका नहीं था। सेफएक्सपे, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह हर दिन 100,000 से अधिक लेनदेन संभालता है, ने तुरंत लाभार्थियों और संबंधित बैंकों को मामले की सूचना दी, साथ ही तथाकथित गोल्डन पीरियड में पैसों के अवैध हस्तांतरण को रोकने की प्रक्रिया शुरू की। गुप्ता ने कहा, इस साइबर अपराध के चलते 25 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और खुलासे से हैरान सेफएक्सपे ने तुरंत 20 अप्रैल को ठाणे पुलिस साइबर अपराध जांच सेल और राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। कंपनी ने इसके बाद 16 जून, 2023 को विस्तृत साक्ष्य और अन्य सामग्री के साथ श्रीनगर पुलिस स्टेशन में एक विस्तृत एफआईआर दर्ज की। गुप्ता ने कहा, गोल्डन पीरियड के दौरान सुधारात्मक उपाय करने से सेफएक्सपे को अपने भुगतान प्लेटफॉर्म से 25 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का पता चलने पर लगभग 7 करोड़ रुपये बचाने में मदद मिली। सेफएक्सपे ने एक व्यापक सिस्टम विश्लेषण करने के लिए साइबर विशेषज्ञों, फोरेंसिक ऑडिटरों और अन्य लोगों को शामिल किया, कि हैकर्स ने सिस्टम में कैसे प्रवेश किया और पैसे कैसे उड़ाए, उनकी कार्यप्रणाली, और लाभार्थी खातों का विश्लेषण, और विस्तृत रिपोर्ट ठाणे पुलिस को सौंपी गई। ठाणे पुलिस की जांच में विभिन्न फर्जी बैंक खातों का उपयोग कर अलग-अलग संस्थाओं द्वारा किए गए कम से कम 16,180 करोड़ रुपये के भ्रामक लेनदेन का खुलासा हुआ और सेफएक्सपे से पूरी तरह से असंबंधित था। पुलिस ने कहा कि 25 करोड़ रुपये की रकम ठाणे स्थित कंपनी रियाल एंटरप्राइजेज के एचडीएफसी बैंक खाते में पहुंची, जिसकी ठाणे और नवी मुंबई में पांच शाखाएं हैं। रियल एंटरप्राइजेज की जांच से पता चला कि विभिन्न बैंकों में अलग-अलग नामों से लगभग 260 खातों का इस्तेमाल कथित तौर पर वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए किया गया था। ठाणे पुलिस ने कहा, इन 260 खातों के बैंक स्टेटमेंट की विस्तृत जांच से 16,180 करोड़ रुपये की भारी हेराफेरी का अनुमान लगाया गया है, जिसका एक हिस्सा विदेशी खातों में स्थानांतरित किया गया है। ठाणे पुलिस ने अब तक दो लोगों अमोल अंधाले उर्फ अमन और समीर उर्फ केदार डिंघे को गिरफ्तार किया है।

एलन मस्क के एक्स पर यूजर विजिट हुए कम, 50 करोड़ से अधिक यूजर गए

वाशिंगटन । एक्स कॉर्प पर पिछले महीने 50 करोड़ से अधिक यूजर विजिट कम हुए और एलन मस्क द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म अब वैश्विक रैंकिंग में इंस्टाग्राम के बाद सातवें स्थान पर आ गया है। नए डेटा के अनुसार, सितंबर में एक्स का ट्रैफिक 6.4 बिलियन से घटकर 5.8 बिलियन हो गया, जो 10 प्रतिशत का नुकसान है। सितंबर में ट्विटर पर विजिट करने वाले 176 देशों में से 83 प्रतिशत में महीने-दर-महीने विजिट में गिरावट देखी गई। डेटा के विश्लेषण से पता चला कि एक्स अब मेटा के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम के बाद वैश्विक रैंकिंग में सातवें स्थान पर आ गया है। सितंबर में ट्विटर का उपयोग करने वाले 176 देशों में से चार-पांचवें (83 प्रतिशत) से अधिक देशों में वेबसाइट पर महीने-दर-महीने ट्रैफिक में गिरावट देखी गई। गूगल डेटा से साफ होता है, कि पिछले साल मस्क द्वारा कंपनी का अधिग्रहण करने के बाद से ट्विटर पर वैश्विक खोज में गिरावट आई है, जो 14 मिलियन मासिक खोज से घटकर एक साल बाद 11 मिलियन रह गई है, जो नवंबर 2018 के बाद से सबसे कम है। वेंचर स्मार्टर के प्रवक्ता ने कहा, समान वेब ट्रैफिक से पता चलता है कि ट्विटर तेजी से ट्रैफिक खो रहा है और वैश्विक रैंकिंग में पहले ही नीचे गिर चुका है। जब से मस्क ने पदभार संभाला है, इसकी लोकप्रियता में गिरावट होती दिख रही है। सैकड़ों देशों से ट्रैफिक में गिरावट देखना चौंका देने वाला है, और यह बॉट्स से निपटने के लिए ट्विटर के पर्दे के पीछे के प्रयास भी हो सकते हैं। प्रवक्ता ने कहा, हालांकि, जैसा कि मस्क ने हाल ही में कहा है, 1 डॉलर का शुल्क बॉट्स से लड़ने का एकमात्र तरीका हो सकता है, इससे अधिक संभावना है कि उपयोगकर्ता प्लेटफॉर्म से स्विच ऑफ कर रहे हैं। मस्क ने कहा कि एक्स जल्द ही दो नए भुगतान वाले प्रीमियम टियर लांच करेगा और विज्ञापनों के साथ उस टियर में से एक की कीमत मौजूदा 8 डॉलर प्रति माह से कम होगी।

वैश्विक रुख और कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव से तय होगी बाजार की चाल

– रुपए की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी बाजार की नजर

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा कंपनियों के तिमाही पे रिणामों, वैश्विक रुख और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजरें हमास-इजराइल संघर्ष के बीच पश्चिम एशिया की गतिविधियों तथा विदेशी निवेशकों के रुख पर भी रहेगी। मंगलवार को विजयदशमी पर्व पर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी बांड पर बढ़ते प्रतिफल, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के चलते वैश्विक बाजार में सुस्ती छाई हुई है। इन कारकों पर नजदीक से नजरें रखने की जरूरत है, क्योंकि ये बाजार धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि तिमाही परिणामों के सत्र में बाजार भागीदारों की नजरें डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल और कच्चे तेल की कीमतों के साथ-साथ विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के निवेश के रुख पर रहेगी। एक अन्य बाजार के जानकार ने कहा कि गुरुवार को मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। बाजार आगे इजराइल-फलस्तीन संघर्ष से दिशा लेगा। इसके अलावा कुछ बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी सभी की नजर रहेगी। उनका कहना है कि इस सप्ताह ब्रिटेन के सेवा पीएमआई, अमेरिका के विनिर्माण और सेवा पीएमआई, अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), बेरोजगारी दावे के आंकड़े भी आएंगे जो बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। भारत सहित दुनियाभर के बाजार भू-राजनीतिक चुनौतियों, कच्चे तेल की कीमतों और बांड प्रतिफल में उतार-चढ़ाव पर प्रतिक्रिया देंगे। इसके अलावा तिमाही नतीजों की वजह से शेयर विशेष गतिविधियां भी देखने को मिलेंगी। बाजार विशेषज्ञों को उम्मीद है कि कम कारोबारी सत्र वाले इस सप्ताह में तिमाही पे रिणाम महत्वपूर्ण रहेंगे। वैश्विक मोर्चे पर यूरोपीय केंद्रीय बैंक (यूसीबी) इस सप्ताह ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा करेगा। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी और बजाज फिनसर्व के सितंबर तिमाही के नतीजे आएंगे। इसके अलावा सप्ताह के दौरान केनरा बैंक, एशियन पेंट्स, पीएनबी, बीपीसीएल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के नतीजे भी आएंगे।

दुर्गा पूजा के अवसर पर कोलकाता में बढ़ती सब्जियों की कीमतों से जूझ रहे लोग

कोलकाता।

दुर्गा पूजा के अवसर पर लोग कोलकाता के स्थानीय बाजारों में सब्जियों की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं। दुर्गा पूजा आयोजकों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उन्हें अपने पूजा पंडालों के नजदीक सामुदायिक रसोई बनाए रखनी पड़ रही है। रविवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए बनी पश्चिम बंगाल सरकार की टास्क फोर्स के रिकॉर्ड के अनुसार, खुदरा बाजारों में अधिकांश सब्जियों की औसत कीमतें काफी अधिक हैं। बंगाली व्यंजनों में दो लोकप्रिय सब्जियां करेला और परवल 80 रुपये से 100 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है। यहां तक कि सबसे प्रमुख सब्जी आलू की कीमत भी उपलब्ध किस्म के आधार पर 20 रुपये से 35 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच काफी ऊंची है। भिंडी और लौकी की कीमतें 70 रुपये से 90 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच हैं। टास्क फोर्स के एक सदस्य ने कहा, औसतन प्रत्येक किस्म की सब्जी की कीमत पिछले सप्ताह की तुलना में कम से कम 10 से 15 रुपये प्रति किलोग्राम अधिक है। केवल टमाटर की कीमत में गिरावट आई है, जो 40 से 50 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच है। इसी तरह अदरक (280 रुपये से 300 रुपये प्रति किलोग्राम), लहसुन (130 रुपये से 150 रुपये प्रति किलोग्राम) और मिर्च 150 से 200 रुपये प्रति किलोग्राम हैं। टास्क फोर्स के सदस्यों ने कहा कि इस सप्ताह के अंत तक लक्ष्मी पूजा तक सब्जियों की कीमतों में तेजी बनी रहेगी, जिसके बाद इसमें कुछ कमी आ सकती है। टास्क फोर्स के सदस्य ने कहा, अगले महीने दिवाली और

काली पूजा तक ऊंची कीमतें बने रहने की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देर से हुई बारिश के कारण राज्य में बाढ़ आ गई, भारी मात्रा में सब्जियों के खेत नष्ट हो गए, जिसके कारण खुदरा बाजारों में सब्जियों की बिक्री अचानक बढ़ गई। टास्क फोर्स के सदस्य ने सब्जियों की आसमान छूती कीमतों के पीछे जमाखोरों के एक वर्ग का हाथ होने से भी इनकार नहीं किया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता बनी रहने से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में र विवार को कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 96.48, महाराष्ट्र में 106.61, मध्य प्रदेश में 109.82 और पंजाब में 98.74 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कानपुर में पेट्रोल 96.48 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। वाराणसी में 96.89 रुपए और डीजल 90.25 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पुणे में पेट्रोल 110.88 रुपए और डीजल 95.37 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। रांची में पेट्रोल 99.84 रुपए और डीजल 94.65 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

18 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ मोबाइल बाजार का बादशाह बना सैमसंग

कंपनी ने भारत से 7.9 मिलियन यूनिट की शिपमेंट की

मुंबई ।

सैमसंग ने तीसरी तिमाही में 18 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी और 7.9 मिलियन यूनिट की शिपमेंट के साथ भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। शाओमी 7.6 मिलियन यूनिट की शिपिंग के साथ दूसरे स्थान पर है, जो मुख्य रूप से इसके किफायती 5जी मॉडल की रिलीज से प्रेरित है। मार्केट रिसर्च फर्म कैनालिस के अनुसार, वीवो 7.2 मिलियन यूनिट्स की डिलीवरी के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। जबकि रियलमी और ओप्पो (वनप्लस को छोड़कर) क्रमशः 5.8 मिलियन और 4.4 मिलियन यूनिट्स की डिलीवरी करके शीर्ष पांच में रहे। भारत ने 2023 की तीसरी तिमाही में 43 मिलियन शिपमेंट दर्ज की, क्योंकि बाजार धीरे-धीरे रिकवरी की ओर बढ़ रहा है।

हालांकि शिपमेंट में साल-दर-साल 3 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन तिमाही में उपभोक्ता माहौल में सुधार देखा गया, जिससे विक्रेताओं को नए पेश किए गए उपकरणों पर पूंजी लगाने की अनुमति मिली। तीसरी तिमाही में, स्मार्टफोन ब्रांडों ने बजट-अनुकूल 5जी विकल्पों पर जोर देने के साथ रणनीतिक रूप से अपने उत्सव उत्पाद लाइनअप को बढ़ावा दिया। जहां एंट्री-लेवल सेगमेंट में मांग में वृद्धि देखी गई क्योंकि विक्रेताओं ने बड़े पैमाने पर 5जी मॉडल पेश किए।

जानकार ने कहा, प्रीमियम सेगमेंट में मजबूत वृद्धि का अनुभव जारी रहा। यह सैमसंग की एस23 सीरीज और पुरानी पीढ़ी के एप्पल आईफोन, जैसे आईफोन 14 और आईफोन 13 द्वारा संचालित था, जो फेस्टिव सेल्स के दौरान आकर्षक डील्स पर पेश किए जा रहे थे। बाजार में एचटेक के साथ रणनीतिक संयुक्त उद्यम मार्ग के माध्यम से ऑनर की रि-एंट्री भी देखी गई और इसका ऑनर 90 मॉडल लांच किया गया। वनप्लस, इनफिनिक्स और टेक्नो जैसे ब्रांडों मुख्य रूप से चैनल की उपस्थिति में वृद्धि, पेशकश में वृद्धि और 2021 की चिप की कमी की अवधि से कुछ सकारात्मक गति प्राप्त करने के कारण मजबूत वृद्धि देखी। 2024 में वृद्धि अनिश्चित व्यापक आर्थिक कारकों पर निर्भर करती है, जो विशेष रूप से कमजोर एंट्री लेवल सेगमेंट को प्रभावित करती है।

मध्य पूर्व तनाव के चलते निवेशकों के सतर्क रहने की संभावना

नई दिल्ली ।

मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव के लंबे प्रभाव के बारे में चिंताओं के कारण निवेशकों के निकट अवधि में सतर्क रहने की संभावना है। ये बात जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध। प्रमुख विनोद नायर ने कही है। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि अस्थिरता बनी रहेगी, हालांकि लंबी अवधि के निवेशकों को वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के नतीजे, आय अनुमान और त्योहारों के चलते बढ़ी मांग के माहौल के कारण निवेश के अवसर मिलेंगे। फेड की ब्याज दर के लिए भारतीय बाजार अमेरिकी जीडीपी डेटा की सतर्कता से निगरानी करेगा। उन्होंने कहा, इसके अलावा, जैसे-जैसे कमाई का मौसम गति पकड़ेगा, निवेशकों के सेंटीमेंट्स कॉर्पोरेट प्रबंधन टिप्पणी और बॉटम-अप निवेश दृष्टिकोण से आकार लेंगे। मध्य पूर्व के तनाव और बढ़ी हुई अमेरिकी बांड यील्ड ने इस हफ्ते बाजार को नरम रखा। कमाई के मौसम की कमजोर शुरुआत, आईटी क्षेत्र से निराशा और बैंकों के मिश्रित नतीजों ने निवेशकों को मुनाफावसूली करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एफआईआई ने धन निकालना जारी रखा क्योंकि यूएस फेड चेयर ने मौद्रिक नीति को जारी रखने और ब्याज दर को ऊंचा रखने की अनिवार्यता पर जोर दिया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि सोमवार को बैंकिंग सेक्टर फोकस में रहेगा। निवेशक आईसीआईसीआई और कोटक बैंक के दूसरी तिमाही के नतीजों पर प्रतिक्रिया देंगे। अगले सप्ताह घोषित होने वाले प्रमुख नतीजों में एक्सिस बैंक, टेकएम, मारुति, बजाज फिनसर्व, एसबीआई लाइफ और डॉ रेड्डीज शामिल होंगे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक नागराज शेट्टी ने कहा कि निफ्टी का अल्पकालिक रुझान नेगेटिव बना हुआ है। 19,480 के समर्थन से नीचे की गिरावट निफ्टी को निकट अवधि में 19,350 के स्तर के एक और महत्वपूर्ण समर्थन की ओर खींच सकती है। तत्काल प्रतिरोध 19,650 के स्तर के आसपास रखा गया है।

एक्स मालिक के रूप में उथल-पुथल भरा रहा एलन मस्क का पहला वर्ष

सैन फ्रांसिस्को।

महीनों के उथल-पुथल भरे दौर के बाद एलन मस्क ने पिछले साल अक्टूबर में 44 अरब डॉलर में ट्विटर का अधिग्रहण किया। एक साल बाद, दुष्प्रचार के निरंतर प्रसार के बीच, प्लेटफॉर्म (जिसे अब एक्स कहा जाता है) से जुड़े विवाद अभी खत्म नहीं हुए हैं। मस्क के कार्यभार संभालने के बाद से पिछले कुछ महीनों में यहूदी-विरोधी ट्वीट्स में दोगुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है और यूरोपीय आयोग ने औपचारिक रूप से अवैध सामग्री और दुष्प्रचार के प्रसार को लेकर एक्स की जांच शुरू की है, लेकिन ट्विटर पक्षी को अभी भी मुक्त नहीं किया गया है। 26 अक्टूबर, 2022 को जैसे ही उन्होंने ट्विटर खरीदा, मस्क सैन फ्रांसिस्को में कंपनी के मुख्यालय में बाथरूम सिंक लेकर पहुंचे, उन्होंने एक पोस्ट साझा करते हुए कहाः उसे डूबने दो!

अधिग्रहण के बाद, मस्क ने अपने भारतीय मूल के सीईओ पराग अग्रवाल सहित 7,500 ट्विटर कर्मचारियों में से 80 प्रतिशत से अधिक को निकाल दिया और यहां तक कि ट्रस्ट और सुरक्षा परिषद को भी भंग कर दिया।

इस महीने की शुरुआत में, रिपोर्ट सामने आई कि अग्रवाल, पूर्व नीति प्रमुख विजया गड्डे और अन्य अधिकारियों ने अंततः मस्क द्वारा संचालित कंपनी से कानूनी शुल्क में 1.1 मिलियन डॉलर जीते। पिछले साल नवंबर में, उन्होंने ट्विटर पर कहा था कि लोगों ने बात की है और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को प्लेटफार्म पर बहाल किया जाएगा। इस साल अगस्त में, ट्रम्प ने चुनाव में हस्तक्षेप के आरोप में अमेरिका की फुल्टन काउंटी जेल से अपना मगशॉट पोस्ट करके अपनी वापसी का संकेत दिया था। मस्क ने उनके पोस्ट को रीट्वीट करते हुए कहा, नेक्स्ट-लेवल। फरवरी में, ऐसी खबरों के बीच कि ट्विटर को प्रतिदिन 4 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है, टेक अरबपति ने कहा कि प्लेटफॉर्म जल्द ही उनके उत्तर थ्रेड में दिखाई देने वाले विज्ञापनों के लिए रचनाकारों के साथ विज्ञापन राजस्व साझा करेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अंततः जुलाई में रचनाकारों को अन्य सत्यापित उपयोगकर्ताओं को उनके पोस्ट के उत्तरों में दिए गए विज्ञापनों से अर्जित विज्ञापन राजस्व के एक हिस्से के लिए भुगतान करना शुरू कर दिया।

पिछले महीने, एक्स सीईओ लिंडा याकारिनो ने खुलासा किया था कि प्लेटफॉर्म ने क्रिएटर्स को लगभग 20 मिलियन डॉलर (166 करोड़ रुपये से अधिक) का भुगतान किया।

लैंगिक भेदभाव को लेकर गूगल को करना होगा महिला कार्यकारी को 1.1 मिलियन डॉलर का भुगतान

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में एक जूरी ने फैसला सुनाया है कि गूगल को अपने एक कर्मचारी को 1.1 मिलियन डॉलर का भुगतान करना होगा जिसने टेक दिग्गज के खिलाफ लिंग आधारित भेदभाव की शिकायत दर्ज कराई थी। गूगल क्लाउड की इंजीनियरिंग निदेशक उल्कु रोवे ने आरोप लगाया कि कंपनी कम अनुभवी पुरुष अधिकारियों को हाई सैलरी देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि गूगल ने उनकी शिकायतों के जवाब में उन्हें प्रमोशन भी देने से इनकार कर दिया। ब्लूमबर्ग लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूयॉर्क जूरी ने गूगल को दंडात्मक क्षति और दर्द और पीड़ा दोनों के लिए भुगतान करने का आदेश दिया। द वर्ज को भेजे गए एक ईमेल में, आउटटेन एंड गोल्डन की वकील कारा ग्रीन ने कहा कि सर्वसम्मत फैसला न केवल गूगल के दुर्व्यवहार का विरोध करता है, बल्कि यह मैसेज भी देता है कि कार्यस्थल पर भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रीन ने इसका श्रेय गूगल के हजारों कर्मचारियों को दिया, जो 2018 में बाहर चले गए और सुधारों की मांग की। गूगल के लगभग 20,000 कर्मचारियों ने 2018 में इंटरनेट दिग्गज के यौन उत्पीड़न से निपटने के तरीके और अधिक व्यापक रूप से, समानता और पारदर्शिता के आसपास इसकी कार्यस्थल नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।

गौतम ने फिर 2019 विश्व कप चयन समिति पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गौतम गंभीर ने 2019 विश्व कप के लिए एमएसके प्रसाद की अगुवाई वाली भारतीय चयन समिति को भारतीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे खराब चयन समिति करार दिया है। गंभीर की 2019 चयन समिति की आलोचना अंबाती रायडू को विश्व कप टीम से बाहर करने के लिए थी, एक ऐसा कदम जिसने कई क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया। भारतीय टीम के लिए नंबर 4 पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले रायडू को विश्व कप टीम से अनुचित तरीके से बाहर कर दिया गया। चल रहे भारत बनाम न्यूजीलैंड मैच में लाइव कमेंट्री के दौरान गंभीर ने कहा, ÷मेरा मानना है कि क्रिकेट के इतिहास में भारत में सबसे खराब चयन समिति थी। इसका कारण उनका निर्णय था अंबाती रायडू जैसे बल्लेबाज को हटाना और उन्हें विश्व कप में शामिल न करना । इसके बजाय उन्होंने दूसरे बल्लेबाज को चुना जबकि उनकी प्राथमिक चिंता नंबर 4 की स्थिति थी। इसलिए, जब आपके पास चयन समिति के भीतर ऐसी सोच और मानसिकता है, हम प्रबंधन की गलती पर चर्चा कर सकते हैं। हालांकि, उन्हें चयनकर्ताओं से अपने स्रोत प्राप्त हुए।

विश्वकप में आज पाकिस्तान का मुकाबला अफगानिस्तान से

चेन्नई ।

एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में सोमवार को पाकिस्तान का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले की संभावनाएं हैं। पाक टीम को अगर सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखनी हैं तो ये मैच जीतकर लगातार दो हार से उबरना होगा। पाक को अब तक भारत और ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम वैसे तो आंकड़ों में अफगानिस्तान पर भारी पड़ती है पर इस बार हालात अलग है क्योंकि विरोधी टीम के पास काफी अच्छे स्पिनर है।

इसलिए उसे अफगानिस्तान के स्पिनरों विशेषकर राशिद खान से सावधान रहना होगा। पाक टीम को इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज करने होगी क्योंकि एक और हार से उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगेगा। पाक के अभी चार मैच में चार अंक हैं और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसका नेट रन रेट भी -0.456 है जिसे भी उसे बेहतर करना पड़ेगा। पाक बल्लेबाज अभी तक स्पिनरों के सामने अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जिससे उसकी परेशानी बढ़ी है। इससे पहले बेंगलुरु की पिच पर उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जंपा के सामने बेबस नजर आये थे।

अफगानिस्तान का स्पिन आक्रमण काफी अच्छा है जिसमें राशिद खान, मोहम्मद नबी और मुजीब उर रहमान जैसे स्पिनर शामिल हैं। ये स्पिनर दुनिया भर के किसी भी बल्लेबाज के लिए खेलना कठिन बना सकते हैं। चेपक की पिच पर उनका सामना करना आसान नहीं होगा। ऐसे में पाक टीम को अगर बड़ा स्कोर बनाना है तो उसके कप्तान बाबर आजम को बड़ी पारी खेलनी होगी। बाबर टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। केवल विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ही अब तक रन बनाने में सफल रहे हैं। इसके अलावा मध्यक्रम के बल्लेबाज सौद शकील और इफ्तिखार अहमद भी अभी तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम के गेंदबाज भी विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल नहीं रहे हैं। यहां तक की शाहीन अफरीदी ने भी अब तक काफी रन दिये हैं। जब पाकिस्तान के बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उसके गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन करते हैं लेकिन इस बार अभी तक उसके गेंदबाजों ने भी निराश किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट लिए थे पर अन्य दो तेज गेंदबाज हारिस राउफ और हसन अली अभी तक असफल रहे हैं। पाकिस्तान के पास इस बार अच्छे स्पिनरों की भी कमी है। स्पिनर मोहम्मद नवाज तथा लेग स्पिनर शादाब खान व उसामा मीर विफल रहे हैं।

ऐसे में अफगान बल्लेबाज पाकिस्तान की इस कमजोरी का फायदा उठाने की पूरी कोशिश करेंगे पर उसके लिए चिन्ता की बात ये है कि सलामी बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज सहित उसके प्रमुख बल्लेबाज अभी तक लगातार रन नहीं बना पाए हैं।

डेनमार्क ओपन से बाहर हुई सिंधु , मारिन ने सेमीफाइनल में हराया

ओडेंसे।

भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को सेमीफाइनल में स्पेन की अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी केरोलिना मारिन के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। मारिन ने 3 गेम में तक चले इस मुकाबले को 18-21, 21-19, 7-21 से जीता। यह मुकाबला एक घंटे 13 मिनट तक चला। मैच के दौरान दोनों खिलाड़ियों को एक दूसरे पर टिप्पणी के कारण अंपायर ने पीले कार्ड भी दिखाये सिंधु ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग को हराया था। सिंधु पिछले सप्ताह फिनलैंड में आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी पहुंची थी पर वह इससे आगे नहीं बढ़ पायीं। ये सिंधु की मारिन के हाथों यहां लगातार पांचवीं हार है। इससे पहले उन्हें उन्हें 2016 में रियो ओलंपिक के फाइनल और 2018 में विश्व चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में भी हार का भी सामना करना पड़ा था। सिंधु और मारिन को एकदूसरे पर टिप्पणी के लिए अंपायर ने कई बार चेतावनी दी पर अंत में नहीं मानने पर पीला कार्ड दिखाया। अंपायर ने उन्हें अंक हासिल करने पर जश्न मनाने का तरीका बदलने को भी कहा।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब बचाने के उद्देश्य से जापान रांची पहुंचा

रांची, मौजूदा चैंपियन जापान की महिला हॉकी टीम महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रविवार सुबह यहां पहुंची जहां बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। बहुप्रतीक्षित महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में, जो 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में होगी, जापान को मलेशिया, चीन, कोरिया, थाईलैंड और मेजबानभारत सहित दुर्जेय विरोधियों का सामना करना पड़ेगा। टूर्नामेंट के शुरूआती मुकाबले में 27 अक्टूबर को जापान का मुकाबला मलेशिया से होगा। जापान का महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में सफलता का इतिहास रहा है, जिसने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के 2013 और 2021 दोनों संस्करणों में खिताब जीता है। जापान 2010 में भी उपविजेता रहा, जबकि 2011 और 2016 में वह टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहा। अब उनकी निगाहें कड़ी मेहनत से अर्जित अपने एशियाई खिताब की रक्षा पर टिकी हैं। टूर्नामेंट के लिए टीम की तैयारी पर बोलते हुए, जापान की कप्तान यूरी ने कहा, ÷हम इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और रांची में हमें जो गर्मजोशी से स्वागत मिला है, उससे हम बहुत प्रभावित हैं, जो प्रेरणा का जबरदस्त स्रोत है। जबकि हमने हाल के एशियाई खेलों में इन टीमों का सामना किया है, हमने अपने खेल को उन्नत किया है और विशिष्ट रणनीतियाँ तैयार की हैं। हमारी टीम की गतिशीलता विकसित हुई है, और हमें उम्मीद है कि ये सभी सुधार इस प्रतियोगिता के दौरान दिखाई देंगे। इसके अलावा, हमारी टीम की कड़ी मेहनत और एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है, और हम अपने देश के लिए अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हैं। हमारा उद्देश्य है इस टूर्नामेंट में शीर्ष टीम बनकर उभरें और अपने खिताब का बचाव करें।

बोर्निल ने 10 साल बाद भारत के लिए जीता स्वर्ण

नई दिल्ली।

बोर्निल आकाश चांगमई ने रविवार को चीन के चेंग्दू में बैडमिंटन एशिया अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कों के एकल वर्ग में भारत के लिए दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। असम के रहने वाले भारतीय बैडमिंटन संघ की रैंकिंग में अंडर-15 लड़कों के एकल वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त शटलर ने चीन के फैन हॉग जुआन को हराकर एशियाई मंच पर अपनी प्रतिष्ठा को और मजबूत किया। भारतीय शटलरों ने हाल के दिनों में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ चीन में शानदार प्रदर्शन किया है और बोर्निल ने भी उसी धैर्य और कौशल का प्रदर्शन किया। खासकर कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में और दूसरे में अपना दबदबा कायम करते हुए अंततः 21-19, 21-13 से जीत हासिल की। भारतीय बैडमिंटन हाल के वर्षों में विभिन्न हाई-प्रोफाइल प्रतियोगिताओं में जीत के साथ नई ऊंचाइयों को छू रहा है। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को अब बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में दुनिया की नंबर एक पुरुष युगल जोड़ी होने का गौरव प्राप्त है। उनके शानदार 2023 प्रदर्शन ने जिसमें व्यक्तिगत स्पर्धा में एशियाई खेल 2022 में एक ऐतिहासिक स्वर्ण पदक और टीम प्रतियोगिता में एक रजत पदक शामिल था, उनकी शीर्ष रैंकिंग में योगदान दिया। प्रणय एच.एस. विश्व चैंपियनशिप और चीन में एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा दोनों में कांस्य पदक अर्जित किये हैं। उल्लेखनीय सफलता की कहानी जूनियर सर्किट तक भी फैली हुई है, जहां आयुष शेट्टी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में प्रतिष्ठित कांस्य पदक हासिल किया और अब बोर्निल चियांगमई ने भी बैडमिंटन एशिया अंडर-17 में अंडर-15 लड़कों के एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर चमक बिखेरी।

संक्षिप्त समाचार

बटलर ने माना , विश्वकप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड का पहुंचना हुआ मुश्किल

मुंबई । इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर विश्व कप लीग मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों मिली करारी हार के बाद खासे निराश नजर आये। इंग्लैंड को इस मैच में 229 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने 7 विकेट पर 399 रन बनाने के बाद इंग्लैंड को 170 रनों पर ही आउट कर दिया था। इसके बाद बटनर ने कहा कि अब हमारी टीम का सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद कठिन हो गया है। बटलर ने कहा कि यह ऐसी हार है जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। साथ ही कहा कि अफगानिस्तान से मिली हार से टीम का मनोबल घटा था जिससे हमें नुकसान हुआ। हमने इस मैच में काफी प्रयास किया वास्तव में कड़ी मेहनत की और हमें सब ठीक होने की उम्मीद थी पर यह हो न सका। बटलर ने एकदिवसीय में अपनी टीम की अब तक की सबसे बड़ी हार के बाद कहा कि यह हमारे लिए अंतिम चार तक पहुंचना बेहद कठिन हो गया है हम हालांकि आने वाले मैचों में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। बटलर ने कहा कि निश्चित रूप से हम मुश्किल परिस्थिति में है। यहां से अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। यह अविश्वसनीय रूप से कठिन होने वाला है पर हम एक ईकाई के रुप में खेलकर फिर से आगे बढ़ सकते हैं। गौरतब है कि ये हार इंग्लैंड के लिए विश्व कप की सबसे बड़ी हार थी। वहीं सबसे बड़ी हार वेस्टइंडीज के नाम दर्ज है। उसे 2015 विश्व कप के दौरान सिडनी के मैदान पर 257 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वेस्टइंडीज टीम इस बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई भी नहीं कर जाने के कारण दस टीमों में शामिल नहीं है।

सचिन , वॉन सहित कई दिग्गजों ने की क्लासेन की तारीफ

मुंबई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक्ल वान सहित कई दिग्गजों ने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली क्लासेन की पारी को क्लास नाम दिया। क्लासेन की 67 गेंदों में 109 रनों की आक्रामक पारी सहायता से दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड पर बड़ी जीत दर्ज की है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में क्लासेन ने केवल 67 गेंदों में ही 109 रन बना दिये। इस बल्लेबाजी ने अपनी पारी में 12 चौके और चार छक्के लगाये। वहीं मार्को जानसन ने भी 42 गेंदों में 75 जबकि रीजा हेंड्रिक्स ने 75 गेंदों में 85 रन बनाये। इसके अलावा रासी वान डेर डुसेन ने 61 गेंदों में 60 रन बनाकर स्कोर 50 ओवरों में सात विकेट पर 399 रनों तक पहुंचाया। सचिन ने हेनरिक की पारी देखने के बाद सोशल मीडिया में लिखा, क्लासेन का क्लास एक्ट! वह शुरुआत में लेंथ पहचानने में बहुत अच्छे हैं और बाकी खिलाड़ियों से बेहतर तरीके से गेंद को भांपते हैं। शुरुआत में, मार्को ने समझदारी से खेला और बाद में जबरदस्त आक्रमण किया। वहीं पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी क्लासेन को सफेद गेंद क्रिकेट में विशेष खिलाड़ी कहा। इसी तरह इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी क्लासेन को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ मध्यक्रम बल्लेबाज कहा।

खराब बल्लेजाजी के लिए इमाद ने बाबर आजम पर निशाना साधा

नंबर एक बल्लेबाज होने के बाद भी रन नहीं बना पा रहे

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर इमाद वसीम ने एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में खराब बल्लेबाजी के लिए कप्तान बाबर आजम पर निशाना साधा है। पाक को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के बाद से ही इमाद को बाबर पर हमले का अच्छा अवसर मिल गया है। बाबर एकदिवसीय प्रारुप में विश्व के नंबर-1 बल्लेबाज होने के बाद भी अब तक विफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में बाबर केवल 18 रन ही बना पाये। इस कारण टीम को 62 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए 367 रन बनाये थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 305 रन ही बना सकी। इमाद ने बाबर की खराब बल्लेबाजी को लेकर उनकी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में आपके ऊपर दबाव होता है पर यहां आप अपने को साबित भी कर सकते हैं। बाबर ने पिछली बार 2019 विश्वकप में न्यूजीलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद वे टीम को बड़े मैच में जीत नहीं दिला पाये हैं। इमाद ने कहा कि बाबर का मैं विरोध नहीं कर रहा पर ये वास्तविकता है कि वे पिछले 4 साल से टीम को बड़े मैच में जीत नहीं दिला पाये हैं। उन्होंने कहा कि नंबर-1 बल्लेबाज होने के नाते कप्तान की जिम्मेदारी मैच जिताने की है, लेकिन अगर वह ऐसा नहीं करेंगे, तो सवाल उठेंगे ही. उन्हें टीम की जरूरत के मुताबिक बल्लेबाजी करने की जरूरत है। उनमें गेंदबाजों पर हावी होने की क्षमता है पर वे अब तक ऐसा कुछ भी नहीं कर पाये हैं।

बाबर ने विश्व कप 2023 में इस बार एक मैच में भारत के खिलाफ 50 रन बनाए थे. लेकिन वे अन्य 3 मैच में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने अब तक 4 मैच में 21 की औसत से मात्र 83 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 79 का है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज टॉप्ली चोटिल हुए , विश्वकप से बाहर होने का खतरा

नई दिल्ली । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए इस बार विश्वकप अब तक खराब साबित हुआ है। पिछले बार की विजेता को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। इंग्लैंड टीम 4 में से अब तक सिर्फ 1 मुकाबला ही जीती है। अफगानिस्तान के खिलाफ तो उसे करारी हार मिली। उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। अब टीम के एक तेज गेंदबाज रीस टॉप्ली के चोटिल होने से भी उसकी मुश्किलें बढ़ है। टॉप्ली का अब आगे खेलना संदिग्ध लग रहा है। टीम के कोच मैथ्यू मॉट ने कहा, हम टॉप्ली की उंगुली की चोट का आंकलन कर रहे हैं। उसकी उंगुली में थोड़ी क्रैक आई हुई है। इसलिए उनका खेलना थोड़ा मुश्किल लग आ रहा है। टॉप्ली अगर विश्व कप से बाहर हो जाते हैं तो कौन सा खिलाड़ी शामिल किया जाएगा। ये भी अभी तय नहीं है। तेज गेंदबाज जोफ्रा ऑर्चर को लेकर बात हो रही थी पर मैथ्यू मॉट ने कहा है कि जोफ्रा टॉपली की जगह नहीं लेंगे। टॉप्ली अगर बाहर होते हैं तो ये टीम के लिए करारा झटका होगा। इस तेज गेंदबाज के लिए यह विश्व कप अब तक काफी अच्छा रहा है। उन्होंने इंग्लैंड के लिए अब तक 3 मैच खेले. जिसमें उन्हें आठ विकेट मिले। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले ही मैच में उन्होंने 3 विकेट लिए थे। इसके बावजूद इंग्लैंड की टीम इस मैच में हार गई थी। वहीं माना जा रहा है कि ये गेंदबाज अगर बाहर हुआ तो ब्रायडन कार्स को अवसर मिल सकता है।

चोटिल एलिसा हीली ने कराई हाथ की सर्जरी, डब्ल्यूबीबीएल में खेलने पर संदेह

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की विकेटकीपर-बल्लेबाज एलिसा हीली की सर्जरी के बाद मौजूदा महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीज़न में उनकी भागीदारी पर संदेह हो गया है। इससे पहले, शनिवार शाम को उनके घर पर एक दुर्घटना के बाद उनके हाथ पर काफी चोटें आई थीं। सिडनी सिक्सर्स फ्रेंचाइजी ने कहा, एलिसा को सिडनी थंडर के खिलाफ क्लब के मुकाबले से बाहर कर दिया गया है। घर पर एक दुर्घटना के बाद एलिसा के हाथ में काफी चोट आई थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई है। आगे की जानकारी उचित समय पर साझा की जाएगी। सिक्सर्स की कप्तान एलिसे पेरी ने कहा कि यह एक बहुत बुरा हादसा था जिसके परिणामस्वरूप एलिसा की सर्जरी हुई, क्लब ने कहा कि अगले 48 घंटों में उसकी चोट की गंभीरता के बारे में अधिक जानने की उम्मीद है। महिलाओं की एशेज में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी के दौरान दो टूटी उंगलियों के कारण एलिसा पहले ही इंग्लैंड में हंड्रेड प्रतियोगिता से चूक गई थी। रविवार को, एलिसा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने बाएं हाथ पर भारी पट्टी और स्प्लिंट पहने हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट की।

जोजो चैंपियनशिप जीतकर मोरीकावा ने खिताब के लिए 27 महीने का इंतजार खत्म किया

टोक्यो।

कोलिन मोरीकावा ने जोजो चैंपियनशिप में अपना छठा पीजीए टूर खिताब जीता। यह जीत उनकी 99वीं शुरुआत में 26 साल, 8 महीने, 16 दिन की उम्र में आई। यह 2021 ओपन चैंपियनशिप के बाद मोरीकावा का पहला खिताब और 2021 डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप के बाद पहली बड़ी जीत थी। बोगी-फ्री 63 भी टूर्नामेंट के इतिहास में किसी विजेता द्वारा सबसे कम अंतिम-राउंड स्कोर था, जिसने 2021 में हिदेकी मात्सुयामा और 2020 में पैट्रिक कैंटले के पिछले सर्वश्रेष्ठ 65 को पीछे छोड़ा। यह मोरीकावा का सीजन का सबसे कम अंतिम-राउंड स्कोर भी था। मोरीकावा की छह शॉट की जीत टूर्नामेंट के इतिहास में जीत के सबसे बड़े अंतर को दर्शाती है, जिसने 2021 में हिदेकी मात्सुयामा द्वारा 5 स्ट्रोक के पिछले उच्चतम अंतर को हराया था। उन्होंने अपने अंतिम 24 होल नारशिनो सीसी में एकॉर्डिया गोल्फ में 12-अंडर में खेले और सप्ताह में सबसे अधिक 24 बर्डी लगाईं। मोरीकावा का कुल स्कोर 14-अंडर 266 रहा, जबकि एरिक कोल (70) और ब्यू होस्लर (70) 8-अंडर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहीं। रियो इशिकावा ने जोजो चैंपियनशिप में एक ऐतिहासिक क्षण का नेतृत्व किया, जिसमें तीन जापानी खिलाड़ियों ने पहली बार शीर्ष -10 में जगह बनाई, क्योंकि अमेरिकी मोरीकावा ने अंतिम दौर में सात-अंडर-पार 63 के शानदार स्कोर के साथ छह शॉट की जीत दर्ज की। दो बार के पीजीए टूर उपविजेता इशिकावा ने चिबा में शानदार 67 का कार्ड खेला और चार दिन के कुल स्कोर सात अंडर 273 के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जो मोरीकावा से सात स्ट्रोक पीछे था। भारतीय-अमेरिकी साहिथ थेगाला (70) टी-19 स्थान पर रहीं, जबकि एरोन राय (67) और अक्षय भाटिया (70) संयुक्त-21 स्थान पर रहे जबकि सुंगजे इम (68) संयुक्त-12 थे।

डेविड वार्नर ने अपनी सफलता का श्रेय आईपीएल को दिया

बेंगलुरु । ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप मैच में पाकिस्तान पर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अपनी सफलता का श्रेय आईपीएल को दिया। वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ 124 गेंद पर 163 रन बनाए। उन्होंने अपने सलामी जोड़ीदार मिशेल मार्श के साथ पहले विकेट के लिए 259 रन की साझेदारी की जिससे ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 62 रन से जीता। बल्लेबाज वार्नर ने कहा, मैंने अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही यह तय कर लिया था कि 50 ओवर काफी लंबा समय होता है। मैं 35 ओवर क्रीज पर टिके रहने का प्रयास करता हूं और उसके बाद अपनी पारी की गति बदलने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि टी20 क्रिकेट विशेष कर आईपीएल से मैंने ऐसा करना सीखा है। जब मैं सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलता था, तब तब मैंने काफी कुछ सीखा। वार्नर ने अपने पहले 50 न 41 गेंद पर, अगले 50 रन 44 गेंद पर और आखिरी 63 रन केवल 39 गेंद पर बनाए। वार्नर ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट खेलकर आप अपनी पारी की गति आसानी से बदल सकते हैं। इसकारण पहले 10 ओवर में जब दो नई गेंद होती हैं तब आपको उन्हें सम्मान देना होगा। यहां से आप अपने लिए मंच तैयार करते हैं और अगर आप खुद को समय देते हैं तो बड़ी पारी खेल सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में लगातार चौथा शतक लगाने के बारे में वार्नर ने कहा, 'मेरा मानना है कि कभी आप किसी खास टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वास्तु के हिसाब से करवाएं दीवारों पर पेंट

दिवाली आने में अब कुछ ही दिन बचे है। दिवाली से पहले ही घरों में साफ-सफाई व पेंट का काम शुरू हो जाता है। दिवाली की तैयारियों के बीच घर की साज-सज्जा और रंग-रोगन करना अच्छी बात है लेकिन दीवारों पर रंग करवाते समय वास्तु का ध्यान जरूर रखें।

पूजा रूम: सबसे पहले बात करते हैं पूजा रूम की, जहां दीवाली पर माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। पूजा रूम में पीला, नारंगी, क्रीम और हल्का ब्राऊन कलर करवाना सही होता है। साथ ही मंदिर की छतें सफेद रंग की रखें।

कपल बेडरूम: वास्तु के अनुसार लाल रंग काफी शुभ माना जाता है। पति-पत्नी को अपने कमरे में यही रंग करवाना चाहिए। इससे उनमें प्यार बढ़ता है। मगर गलती से भी डाइनिंग या बच्चे के कमरे में यह रंग न करवाएं।

डाइनिंग रूम: नीले, हरे और पीले रंग खुशी व शांति का प्रतीक है इसलिए डाइनिंग रूम में यही कलर करवाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा भी बनी रहती है।

कमरें: अन्य कमरों में गुलाबी, नीला, हरा, ग्रे, बैंगनी रंग घर के कमरों में करवाना सही होता है।

बच्चों का बेडरूम: बच्चों के कमरे में नारंगी, गुलाबी, नीला या हरा रंग करवाना चाहिए, जो खुशी का अहसास देते हैं।

गेस्ट या ड्राइंग रूम: गेस्ट या ड्राइंग रूम उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। इस दिशा में अगर गेस्ट रूम है तो उसमें सफेद रंग होना चाहिए। इसके अलावा आप ड्राइंग रूम में न्यूड कलर करवा सकते हैं।

किचन: किचन की दीवारों पर लाल, संतरी या कोई भी लाइट कलर करवाएं। इससे घर में बरकत बनी रहेगी। मगर किचन में व्हाइट कलर करवाने से बचें।

घर के बाहर का रंग: घर की बाहरी दीवीरों, गेट का रंग सफेद, पीला, ऑफ वाइट, हल्का गुलाबी या संतरी रखें। इससे घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी।

बाथरूम: बाथरूम की दीवारों का कलर भी घर पर गहरा असर डालता है इसलिए यहां लाइट कलर करवाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

घर का हॉल: घर के हॉल रूम, ऑफिस की दीवारों पर अगर आप पीला रंग करवाते हैं तो यह शुभ फल देता है। आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको घर की उत्तरी दिशा की दीवारों पर हरा रंग करवाना चाहिए।

खिड़की दरवाजे: घर के खिड़की-दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।

भूलकर भी न कराएं ये रंग: डार्क कलर्स जैसे लाल, ब्राउन, ग्रे और काला रंग नहीं करवाना चाहिए। ये रंग अग्नि ग्रहों जैसे राहू, शनि, मंगल और सूर्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे घर की सुख-शांति बिगड़ सकती है। आमतौर पर इन रंगों की तीव्रता काफी ज्यादा होती है, जो घर के एनर्जी पैटर्न को डिस्टर्ब कर सकते हैं।

घर में पैसे की कमी का कारण कहीं वास्तु तो नहीं

जिस तरह सुख-सुविधा बढ़ाने वाली वस्तुओं में बढ़ोतरी हो रही है, उसी तरह लोगों की इच्छाएं बढ़ती जा रही है। हर व्यक्ति इन सभी सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिन-रात मेहनत करता है, परन्तु सफल हर कोई नही हो पाता। कई लोग काफी धन कमाते हैं, लेकिन बचत नहीं कर पाते। उसी तरह कुछ लोग बहुत मेहनत करने के बाद भी पर्याप्त धन नहीं जुटा पाते। इसकी बहुत-सी वजह हो सकती हैं, जिनमें से एक वास्तु दोष भी है।

अगर आपकी व्यापारिक परिस्थितियों के बावजूद आपके धन में वृद्धि नहीं हो पाती, तो आप अपने घर के मेन गेट के ठीक पास तीन टांग वाला मेंढ़क जो मुंह में सिक्का लिए हुए हो, उसको रख लीजिए। इसे सम्मानित जगह पर किसी टेबल के ऊपर रखना चाहिए। इस उपाय से आपकी आय में बढ़ोतरी होगी और घर के फिजूल खर्च में कमी आएगी।

यह आपके मार्ग में आती हुई लक्ष्मी को प्रदर्शित करेगा। यह धन संबंधी परेशानियों को दूर करता है। इससे घर में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। जिससे घर के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है और सभी में परस्पर प्रेम बना रहता है।

सांस्कृतिक एकता और अखंडता को जोड़ने का पर्व है दशहरा

इस वर्ष दशहरा या विजयादशमी का पर्व मंगलवार 24 अक्टूबर 2023 को मनाया जाएगा. मान्यता है कि, इसी दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया और भगवान राम ने लंकापति का रावण का अंत किया था.

सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्योहार दशहरा 24 अक्टूबर को मनाया जाएगा. विजयादशमी का त्योहार पूरे देश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है. इस दिन अस्त्र-शस्त्र का पूजन और रावण दहन के बाद बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेने की परंपरा सदियों से चली आ रही है.

ज्योतिषाचार्य बताया कि इस साल दशहरा 24 अक्टूबर 2023 को मनाया जाएगा. इस साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 23 अक्टूबर के दिन शाम को 5:44 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 24 अक्टूबर को दोपहर 3:14 मिनट पर होगा. उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 24 अक्टूबर को मनाया जाएगा.

दशहरा पर हुआ था रावण का अंत

इस साल दशहरा पर्व पर दो शुभ योग भी बन रहे हैं. इस दिन जगह-जगह रावण दहन किया जाता है. कहा जाता है कि रावण के पुतले को जला हर इंसान अपने अंदर के अहंकार, क्रोध का नाश करता है. इस दिन मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन भी किया जाता है. ऐसी मान्यता है कि रावण का वध करने कुछ दिन पहले भगवान राम ने आदि शक्ति मां दुर्गा की पूजा की और फिर उनसे आशीर्वाद मिलने के बाद दशमी को रावण का अंत कर दिया.

विजयादशमी पर हुआ था महिषासुर का वध

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि दशमी को ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था. इसलिए इसे विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है. देशभर में अलग-अलग जगह रावण दहन होता है और हर जगह की परंपराएं बिल्कुल अलग है. इस दिन शस्त्रों की पूजा भी की जाती है. इस दिन शमी के पेड़ की पूजा भी की जाती है. इस दिन वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, सोना, आभूषण नए वस्त्र इत्यादि खरीदना शुभ होता है.

दशहरे के दिन नीलकंठ भगवान के दर्शन करना अति शुभ माना जाता है. इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं. नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है. दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है. मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है. वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है.

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि रावण ज्योतिष का प्रकांड विद्वान था. अपने पुत्र को अजेय बनाने के लिए इन्होंने नवग्रहों को आदेश दिया था कि वह उनके पुत्र मेघनाद की कुंडली में सही तरह से बैठें. शनि महाराज ने बात नहीं मानी तो उन्हें बंदी बना लिया. रावण के दरबार में सारे देवता और दिग्पाल हाथ जोड़कर खड़े रहते थे. हनुमान जी जब लंका पहुंचे तो इन्हें रावण के बंधन से मुक्त करवाया. रावण के अशोक वाटिका में एक लाख से अधिक अशोक के पेड़ के साथ ही दिव्य पुष्प और फलों के वृक्ष थे. यहीं से हनुमान जी आम लेकर भारत आए थे. रावण एक कुशल राजनीतिज्ञ, सेनापति और वास्तुकला का मर्मज्ञ होने के साथ-साथ ब्रह्म ज्ञानी तथा बहु-विद्याओं का जानकार था. उसे मायावी इसलिए कहा जाता था क्योंकि वह इंद्रजाल, तंत्र, सम्मोहन और तरह-तरह के जादू जानता था. उसके पास एक ऐसा विमान था, जो अन्य किसी के पास नहीं था. इस कारण सभी उससे भयभीत रहते थे.

दशहरा 2023 तिथि

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 23 अक्टूबर के दिन शाम को 5:44 मिनट से शुरू होगी और इसका समापन 24 अक्टूबर को दोपहर 3:14 मिनट पर होगा. उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 24 अक्टूबर को मनाया जाएगा.

दशहरा 2023 पर दो शुभ योग

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस साल दशहरा पर्व पर दो शुभ योग भी बन रहे हैं. इस दिन रवि योग सुबह 06:27 मिनट से दोपहर 03:38 मिनट तक रहेगा. इसके बाद शाम 6:38 मिनट से 25 अक्टूबर को सुबह 06:28 मिनट तक यह योग रहेगा. वहीं, दशहरा पर वृद्धि योग दोपहर 03:40 मिनट से शुरू होकर पूरी रात रहेगा.

दशहरा पर पान देता है आरोग्य

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि विजयादशमी पर पान खाने, खिलाने तथा हनुमानजी पर पान अर्पित करके उनका आशीर्वाद लेने का महत्व है. पान मान-सम्मान, प्रेम एवं विजय का सूचक माना जाता है. इसलिए विजयादशमी के दिन रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद दहन के पश्चात पान का बीणा खाना सत्य की जीत की खुशी को व्यक्त करता है. वहीं शारदीय नवरात्रि के बाद मौसम में बदलाव के कारण संक्रामक रोग फैलने का खतरा बढ़ जाता है इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से भी पान का सेवन पाचन क्रिया को मज़बूत कर संक्रामक रोगों से बचाता है.

मांगलिक कार्यों के लिए शुभ दिन है विजयादशी

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि विजयादशमी सर्वसिद्धिदायक है. इसलिए इस दिन सभी प्रकार के मांगलिक कार्य किए जा सकते हैं. मान्यता है कि इस दिन जो कार्य शुरू किया जाता है उसमें सफलता अवश्य मिलती है. यही वजह है कि प्राचीन काल में राजा इसी दिन विजय की कामना से रण यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे. इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं, रामलीला का आयोजन होता है और रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है. इस दिन बच्चों का अक्षर लेखन, दुकान या घर का निर्माण, गृह प्रवेश, मुंडन, अन्न प्राशन, नामकरण, कारण छेदन, यज्ञोपवीत संस्कार आदि शुभ कार्य किए जा सकते हैं. परन्तु विजयादशमी के दिन विवाह संस्कार निषेध माना गया है. क्षत्रिय अस्त्र-शास्त्र का पूजन भी विजयादशमी के दिन ही करते हैं.

दशहरा पर किया जाता है शस्त्र पूजन

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि दशहरा के दिन शस्त्र पूजन करने की परंपरा सदियों पुरानी है. आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी को शस्त्र का पूजन किया जाता है. नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के पूजन के बाद दशहरे का त्योहार मनाया जाता है. विजयदशमी पर मां दुर्गा का पूजन किया जाता है. मां दुर्गा शक्ति का प्रतीक हैं. भारत की रियासतों में शस्त्र पूजन धूम-धाम से मनाया जाता था. अब रियासतें तो नही रहीं लेकिन परंपराएं शाश्वत हैं. यही कारण है कि इस दिन आत्मरक्षार्थ रखे जाने वाले शस्त्रों की भी पूजा की जाती है. हथियारों की साफ-सफाई की जाती है और उनका पूजन होता है. ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले कामों का शुभ फल अवश्य प्राप्त होता है. यह भी कहा जाता है कि शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने के लिए इस दिन शस्त्र पूजा करनी चाहिए.

नीलकंठ का दिखना क्यों शुभ है?

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि जब श्रीराम रावण का वध करने जा रहे थे, उसी दौरान उन्हें नीलकंठ के दर्शन हुए थे. इसके बाद श्रीराम को रावण पर विजय मिली थी. यही वजह है कि नीलकंठ का दिखना शुभ माना गया है. इस दिन सभी अपने शस्त्रों का पूजन करते है. सबसे पहले शस्त्रों के ऊपर जल छिड़क कर पवित्र किया जाता है फिर महाकाली स्तोत्र का पाठ कर शस्त्रों पर कुंकुम, हल्दी का तिलक लगाकर हार पुष्पों से श्रृंगार कर धूप-दीप कर मीठा भोग लगाया जाता है. शाम को रावण के पुतले का दहन कर विजया दशमी का पर्व मनाया जाता है. इसी तरह की कई और बातें हैं जो दशहरा के दिन की जाती है. इनमें से एक है, इस दिन पान का बीड़ा हनुमानजी के चढ़ाना और उसके बाद इसे खाना. पान हनुमाजी को बहुत पसंद है और इस बार दशहरा मंगलवार को पड़ रहा है इसलिए यह दिन और भी खास हो जाता है.

नवरात्रों की बची पूजन सामग्री का ऐसे करें उपयोग, आएगी सुख-समृद्धि

पूजा में भाव के साथ साथ भक्त के द्वारा भगवन को अर्पित की गई वस्तुओं का भी अपना महत्व होता है। सभी लग अपनी-अपनी मान्यताओं के अनुसार भगवन को भेंट एवं सामग्री अर्पण करते हैं। भावना से अर्पण की हुई अल्प वस्तु को भी भगवान सहर्ष स्वीकार करते हैं। ज्यादातर लोग पूजन में जो सामग्री बच जाती है उसे अगले ही दिन पानी में प्रवाहित कर देते हैं। लेकिन इस बात को शायद कम ही लोग जानते होंगे कि बची हुई पूजन सामग्री से भी हम अपने सुख-समृद्धि और वैभव को पा सकते हैं।

दीपावली, गणेशोत्सव या नवरात्र किसी भी देवी-देवता की पूजा के समय जो सामग्री हम अपनी थाली में सजाते हैं, वह शेष रूप में बच ही जाती है। ऐसे में अधिकांश लोग उसे विसर्जित कर देते हैं लेकिन ज्योतिषाचार्यों और विद्वानों के मतानुसार उस सामग्री को फेंकें नहीं बल्कि अपने घर, अलमारी, पूजा स्थल और पॉकेट आदि में सालभर तक रखने से घर में बरकत व सुख-समृद्धि में लाभ मिलता है।

पूजन संपन्न होने के बाद जो अक्षत थाली में शेष रह जाएं उन्हें घर में रखे गेहूं-चावल आदि में मिला दें। इससे घर हमेशा धन-धान्य से परिपूर्ण रहेगा। माता का चुन्नी चुनरी को अपने घर की अलमारी में कपड़ों के साथ रखें ताकि माता के आशीर्वाद से हम नित नए परिधान पहन सकें और माता की कृपा हम पर बनी रहे। पूजा के बाद जो बिंदी-मेहंदी रह जाती है उसे कुंवारी लड़कियों और विवाहित स्त्रियों को लगाना चाहिए। माना जाता है कि इससे कुंवारियों को योग्य वर और विवाहिताओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

नारियल- इसे फोड़कर उसका प्रसाद बांट दें। यदि ऐसा नहीं करना है तो हवन में पूरा नारियल होम दें अन्यथा उसे लाल या सफेद कपड़े में बांधकर पूजा वाले स्थान पर रखें। पूजन से बचे हुए रक्षा सूत्र को घर की अलमारी या दुकान की तिजोरी पर बांध सकते हैं।

पुष्प-हार- इन्हें फेंके नहीं बल्कि घर के मुख्य दरवाजे पर बांध दें। पुष्प हार जब पूरी तरह मुरझा जाएं तो गमले या बगीचे में इन्हें फैला दें। ये नए पौधे के रूप में आपके साथ रहेंगे। किसी भी देवी-देवता

का पूजन बिना कुमकुम के अधूरा माना जाता है। पूजन के बाद बचे हुए कुमकुम को महिलाएं अपनी मांग में लगाएं, इससे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। घर में जब भी कोई नई वस्तु की खरीदारी हो, तब उसका पूजन इसी कुमकुम से करने पर धन-वैभव में वृद्धि की मान्यता है।

गोल सुपारी-जनेऊ- पूजन शुरू करने से पहले प्रथम पूज्य गणेशजी की पूजा की जाती है। प्रतीकात्मक रूप से हम गणेशजी की स्थापना करते हैं। पान पर कुमकुम से स्वस्तिक बनाकर उस पर गोल सुपारी रखकर जनेऊ पहनाते हैं। पूजन के बाद इन्हें लाल कपड़े में बांधकर रखें ताकि धन की बरकत बनी रहे।

विदेशी छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका से बदलाव की मांग

वाशिंगटन । अमेरिका में स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्रों और उपलब्ध एच1बी वीजा के बीच बहुत अधिक अंतराल बताते हुए एक भारतीय प्रवासी समुदाय निकाय ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन से विदेशी छात्रों के लिए वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलाव करने का आग्रह किया है। फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने अमेरिकी गृह मंत्री एलेजांद्रो मयोरकास को लिखे एक पत्र में कहा कि इस अंतराल के कारण भारतीय छात्र अमेरिकी उद्योग में योगदान करने के अवसर से चूक रहे हैं। एफआईआईडीएस द्वारा सुझाए गए कई बदलावों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियान्त्रिकी और गणित के विषयों में डिग्री वाले पात्र छात्रों के लिए एसटीईएम ओपीटी की अवधि को 24 महीने से बढ़ाकर 48 महीने करना, ओपीटी स्नातकोत्तर में आवेदन करने की अवधि को 60 दिन से बढ़ाकर 180 दिन करना और एसटीईएम डिग्री धारकों को गैर-एसटीईएम डिग्री धारकों की तुलना में एच1बी वीजा लॉटरी में चुने जाने के छह गुना अधिक अवसर प्रदान करना है। एफआईआईडीएस के नीति और रणनीति प्रमुख खंडेराव कांड ने पत्र में कहा कि ऐसा करने से हम न केवल उस प्रतिभा को बनाए रखते हैं जो हमारे नवाचार को बढ़ावा देती हैं बल्कि यह उन आर्थिक लाभों के लिए भी आवश्यक है जो इस छात्रों से हमारे देश को मिलता है। निकाय ने पत्र में कहा कि वैश्विक प्रौद्योगिकी के उभरते परिदृश्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं साइबर सुरक्षा में बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए अत्यधिक कुशल एसटीईएम छात्र न केवल आर्थिक रूप से फायदेमंद है बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का भी मामला है। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रतिभा की कमी को राष्ट्रीय सुरक्षा में खतरे के रूप में उजागर किया है। पत्र में कहा गया कि ओपीटी अवधि बढ़ाकर, अतिरिक्त एच1बी वीजा आवंटन प्रदान कर और लॉटरी की संभावना बढ़ाकर देश में हम उस प्रतिभा को बरकरार रख सकते हैं।

फिलीपींस के तटरक्षक जहाज व सप्लाई बोट को चीनी जहाज ने मारी टक्कर

मनीला। चीन ने अब अपनी हदें पार करते हुए मनमर्जी काम करना शुरु कर दिया है, यही वजह है कि चीन पर आरोप लग रहे हैं कि उसके एक जहाज ने दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के तटरक्षक जहाज और सप्लाई बोट पर जोरदार टक्कर मार दी। इसमें हताहत होने या कोई बड़े नुक्सान की कोई खबर नहीं है, लेकिन अमेरिका ने चीन के द्वारा की जा रहीं घटनाओं की निंदा की है। उक्त घटना के संबंध में फिलीपींस के एक आला अधिकारी का कहना था कि चीनी तट रक्षक बल के एक जहाज और उसके एक 'मिलिशिया' पोत ने रविवार को दक्षिण चीन सागर में एक विवादित तट पर उनके तट रक्षक जहाज और सेना की ओर से संचालित एक आपूर्ति नाव को दो अलग-अलग घटनाओं में जोरदार टक्कर मारी है। फिलीपींस ने चीन के इस कृत्य को खतरनाक, गैर-जिम्मेदाराना और गैरकानूनी करार दिया है। फिलीपींस अधिकारियों के मुताबिक ये घटनाएं सेकंड थॉमस तट पर घटित हुई हैं। फिलहाल इन घटनाओं में किसी के हताहत होने या किसी बड़े माली नुकसान होने की जानकारी नहीं दी गई है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने इन घटनाओं की निंदा की है। चीनी दूतावास ने फिलीपींस की रिपोर्ट पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की है। मनीला में अमेरिकी राजदूत मैरीके कार्लसन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा है कि 'चीन के अयंगिन तट पर किये गए कृत्य की अमेरिका निंदा करता है, जिससे फिलीपींस के सेवा सदस्यों के जीवन का खतरा उत्पन्न हो गया है। वहीं फिलीपींस के कार्यबल ने भी कहा है कि वह फिलीपीन की संप्रभुता, संप्रभु अधिकारों और अधिकार क्षेत्र के उल्लंघन में चीनी तटरक्षक और चीनी समुद्री मिलिशिया की नवीनतम खतरनाक, गैर-जिम्मेदार व अवैध कार्यवाहियों की कड़ी शब्दों में निंदा करता है। अपने एक बयान में कार्यबल ने बताया कि रविवार सुबह हुई पहली घटना में चीन के तट रक्षक जहाज 5203 के खतरनाक अवरोधक युद्धाभ्यास के कारण फिलीपीन की सैन्य नाव से टक्कर हुई। चीनी तटरक्षक जहाज की अवैध, खतरनाक, गैरजिम्मेदाराना हरकत से चालक दल की सुरक्षा खतरे में आ गई। वहीं, दूसरी घटना में फिलीपीन तट रक्षक जहाज पर बायीं ओर से चीनी मिलिशिया जहाज 00003 को टकरा दिया गया। इन जहाजों की जहां पर टक्कर हुई वह स्थल दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। गौरतलब है कि दक्षिण चीन सागर में लंबे समय से क्षेत्रीय विवाद चल रहा है और यह सबसे नया घटनाक्रम है। इस समुद्री इलाके पर चीन, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ताइवान और ब्रुनेई दशकों से अपने अधिकार का दावा करते चले आ रहे हैं।

कोरोना महामारी के कारण लड़कियां समय के पहले हुई जवान

न्यूयॉर्क। कोविड -19 महामारी के बाद लड़कियों में तेजी के साथ समय पूर्व तरुणआई देखने को मिल रही है। शोधकर्ताओं के अनुसार इसके लिए स्क्रीन टाइम में वृद्धि, शारीरिक गतिविधियों में कमी, महामारी के कारण जीवन शैली में जो परिवर्तन आए हैं ।उसने समय के पहले बच्चियों को समय के पहले तरुण बना दिया है। शारीरिक गतिविधियों में कमी होने, तनाव, सामाजिक अलगाव, एकांत और सैनिटाइजर के लगातार ऊपयोग से तेजी के साथ लड़कियों में परिवर्तन देखने को मिले हैं। शोधकर्ताओं ने इटली की 133 लड़कियों में महामारी से पहले और बाद में हुए शारीरिक विकास का मूल्यांकन किया है। जिन लड़कियों में यह परिवर्तन पाए गए हैं। वह प्रतिदिन औसतन 2 घंटे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग कर रही थी। 88 फ़ीसदी लड़कियां शारीरिक गतिविधियों से दूर थी। जिसके कारण समय से पहले ही वह जवान होने लगी हैं।

गहरे समुद्र में विशाल नमकीन झील खोजी

लंदन । वैज्ञानिकों ने लाल सागर की तलहटी में एक विशाल नमकीन झील खोजी है। वैज्ञानिकों की माने तो यहां आक्सीजन नहीं है, यह झील जिंदा प्राणी को अंदर दबोच लेती है। इस झील की लंबाई लगभग 100 फीट है। यह उसमें प्रवेश करने वाले किसी भी जीव को मारने में सक्षम है। ये झील किसी प्राकृतिक चमत्कार से कम नहीं है। ऐसी झील दुनिया भर में पायी जाती हैं। 107,000 वर्ग फुट में फैली इस झील की खोज मियामी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा 2020 में की गई थी। इस दौरान यह पाया गया कि यहां पर ऑक्सीजन की कमी रहती है, फिर भी यह पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति की गुत्थी को सुलझाने में सक्षम है। यह इस क्षेत्र में होने वाले पर्यावरणीय परिवर्तनों की महत्वपूर्ण सूचना प्रदान करती है ।मियामी विश्वविद्यालय में समुद्री भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर और अध्यक्ष सैम पुर्किस ने बताया, 'पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति गहरे समुद्र में हुई, वह भी लगभग ऑक्सीजन रहित परिस्थितियों में। गहरे समुद्र के नमकीन पूल प्रारंभिक पृथ्वी के ऑक्सीजन रहित हाइपरसेलाइन के बावजूद, तथाकथित 'एक्सट्रीमोफाइल' रोगाणुओं के एक समृद्ध समुदाय से भरे हुए हैं। इस समुदाय का अध्ययन करने से उन परिस्थितियों की झलक मिलती है जहां जीवन पहली बार हमारे ग्रह पर दिखाई दिया था।' हालांकि, ये झील काफी खतरनाक है। पुर्किस ने बताया, जिस नमकीन पूल में ऑक्सीजन नहीं होती है, उसे डेथ पूल भी कहा जाता है क्योंकि जो भी इसके करीब जाता है वह जीवित नहीं बचता है। आम तौर पर, समुद्र की इतनी गहराई पर, समुद्र तल पर ज्यादा जीवन नहीं होता है। हालांकि, नमकीन पूल अद्वितीय हैं क्योंकि वे जीवन से भरे हुए हैं। वैज्ञानिकों ने सुनामी और भूकंप को बेहतर ढंग से समझने के लिए इन नए खोजे गए नमकीन पूलों से मिली जानकारी का उपयोग किया। ये पूल क्षेत्र में 1,000 साल से अधिक पुराने वर्षा के इतिहास के साथ-साथ भूकंप और सुनामी के रिकॉर्ड भी प्रदान करते हैं। शोधकर्ताओं को आगे उम्मीद है कि विषम परिस्थियों में पाए जाने वाले अद्वितीय सूक्ष्मजीव ऐसे कण उत्पन्न कर सकते हैं जो चिकित्सा उद्देश्यों के लिए फायदेमंद हैं। समुद्र के छोटे जीवों में बैक्टीरिया और कैंसर से लड़ने की शक्ति वाले पदार्थ पाए हैं।

दो नेपालियों समेत 143 यात्रियों को लेकर इजराइल से रवाना हुआ विमान

तेल अवीव। इजराइल-हमास संघर्ष के बीच इजराइल छोड़ने के इच्छुक दो नेपाली नागरिकों और चार बच्चों समेत 143 लोगों को लेकर ऑपरेशन अजय के तहत एक विशेष विमान रविवार को भारत के लिए रवाना हुआ। सात अक्टूबर को हमास के चरमपंथियों ने इजराइली शहरों पर हमला कर दिया था, जिसके बाद 12 अक्टूबर को भारतीय नागरिकों की वापसी के लिए शुरू किए गए 'ऑपरेशन अजय' के तहत यह छठी उड़ान है। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि विमान में दो नेपाली नागरिकों और चार शिशुओं समेत 143 लोग सवार हैं। पिछले मंगलवार को 18 नेपाली नागरिकों को विशेष विमान से लाया गया था। अब तक कुल पांच विशेष विमान बच्चों समेत लगभग 1,200 यात्रियों को तेल अवीव से दिल्ली ला चुके हैं। हमास के हमले के बाद गाजा पर इजराइल के जवाबी हमलों में बच्चों समेत लगभग 4,400 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है।

हमास आतंकियों के पीछे पड़ा इजरायल, एक-एक आतंकी को खत्म करने के लिए प्लान तैयार

तेल अवीव (एजेंसी)। हमास का खत्म करने के लिए इसराइल पूरी तरीके से तैयार है। गाजा के हमास को खत्म करने के उद्देश्य से इजरायल ने फूल प्रूफ रणनीति तैयार कर ली है। इसराइल जानता है कि हमास से लड़ाई अभी लंबी चलने वाली है क्योंकि हमास के पास इजरायल के 200 से अधिक बंधक है।

इस लड़ाई में इसराइल को दोहरा मुकाबला करना है जिसमें उसे एक तरफ हमास के आतंकियों से मुकाबला करना है वही आतंकी संगठन हिजबुल्लाह से भी लड़ाई लड़नी है। हिज्बुल्लाह लगातार लेबनान की ओर से हमला करने में जुटा हुआ है। वही आतंकी संगठन को जवाब देने के लिए इजरायल की सेना सीमा के पास देती हुई है। सीमा पर इजरायल के टैंक और जवान लगातार मुस्तैद है। इजरायल की सेना सीमा पर इसलिए मुस्तैद है ताकि अगर जमीन पर युद्ध शुरू हुआ तो हमास और हिजबुल्ला को जवाब दिया जा सके।

इजरायल की है पूरी तैयारी

गौरतलब है कि इजरायल इस बड़े युद्ध के लिए अपनी तैयारी जोर शोर से कर रहा है। पड़ोसी देशों में उसके नागरिकों पर हमास-हिजबुल्ला हमला कर सकते है। इजराइल ने इस अंदेशे को देखते हुए अपने सभी नागरिकों को भी सतर्क कर दिया है। इजराइल के अपने नागरिकों को कहा है कि मिस्र और जॉर्डन को तत्काल छोड़ दें। इस संबंध में इजराइल ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि जॉर्डन और मिस्र की यात्रा करने से परहेज करें।

ये है इजराइल का प्लान

बता दें कि इजराइल आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहा है। बता दें कि हमास के आंतकियों ने इस युद्ध को शुरू किया था। बेंजामिन नेतन्याहू भी ऐलान कर चुके हैं कि इस युद्ध का खातमा इजराइल करेगा। सिर्फ युद्ध ही नहीं बल्कि हमास का भी इसके साथ अंत किया जाएगा। इसी बीच इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलैंट ने कहा है कि जमीनी युद्ध होगा जो लंबा चलेगा। इस युद्ध को लेकर इजराइल का 3 फेज का प्लान भी तैयार हो गया है।

इज़राइल ने कहा, हिजबुल्लाह 'बहुत खतरनाक खेल खेल रहा है'

तेल अवीव। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के प्रवक्ता ने कहा है कि हिजबुल्लाह 'बहुत खतरनाक खेल खेल रहा है' जो लेबनान को 'एक ऐसे युद्ध में खींच सकता है, जिससे उसे कुछ हासिल नहीं होगा।' लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने रविवार को एक्स पर लिखा, 'क्या लेबनान के लोग वास्तव में गाजा में आतंकवादियों की खातिर अपनी संप्रभुता खतरे में डालने को तैयार है?' सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, कॉनरिकस ने कहा कि हिजबुल्लाह इजरायल और लेबनान के बीच उत्तरी सीमा के पास इजरायली ठिकानों पर हमला कर रहा है और 'स्थिति को बढ़ा रहा है।' उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह की गोलीबारी के चलते नागरिक और सैनिक दोनों हताहत हुए हैं। कॉनरिकस ने कहा, आईडीएफ ने ऐसे उदाहरण देखे हैं जहां हिजबुल्लाह ने 'जानबूझकर संयुक्त राष्ट्र के ठिकानों के करीब गोलीबारी की है', शायद 'संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को नुकसान पहुंचाने के लिए'। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, कॉनरिकस ने कहा, हिजबुल्लाह नागरिक इमारतों से मिसाइलें और रॉकेट दागता है और आमतौर पर आबादी वाले इलाके के भीतर से हमला करता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, सीरियाई समाचार एजेंसी ने रविवार तड़के दमिश्क और अलेप्पो दोनों हवाई अड्डों पर हवाई हमले की सूचना दी। एजेंसी ने कहा, 'आज सुबह लगभग 5:25 बजे, इजरायली दुश्मन ने एक साथ भूमध्य सागर की दिशा, लताकिया के पश्चिम और कब्जे वाले सीरियाई गोलान की दिशा से दमिश्क और अलेप्पो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को निशाना बनाते हुए मिसाइलों के विस्फोट के साथ हवाई आक्रमण किया।' इसमें कहा गया है कि दोनों हवाईअड्डों पर रनवे के क्षतिग्रस्त होने से वे सेवा से बाहर हो गए हैं और हवाई यातायात को लताकिया शहर की ओर मोड़ दिया गया है।

बिल क्लिंटन ने परमाणु परीक्षण नहीं करने के लिए पांच अरब डॉलर की पेशकश की थी: नवाज शरीफ

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान लौटने के कुछ घंटों बाद, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र किया और याद किया कि कैसे उन्होंने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पांच अरब अमेरिकी डॉलर की पेशकश के बावजूद 1998 में परमाणु परीक्षण कर भारत के परमाणु परीक्षण का ''करारा जवाब'' दिया था। शरीफ अपनी पार्टी का नेतृत्व करने और जनवरी में संभावित आम चुनाव में रिकॉर्ड चौथी बार सत्ता में आने के प्रयास के तहत ब्रिटेन में चार साल के स्व-निर्वासन के बाद शनिवार को विशेष विमान से दुबई से स्वदेश लौट आए। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख शरीफ (73) दुबई से विशेष विमान 'उम्मीद-ए-पाकिस्तान' से स्थानीय समयानुसार अपराह्न डेढ़ बजे इस्लामाबाद पहुंचे। इसके बाद, वह एक विशाल रैली को संबोधित करने के लिए अपनी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का गढ़ माने जाने वाले लाहौर पहुंचे।

शरीफ ने उत्साहित भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, ''आज कई साल बाद आपसे मिल रहा हूं, पर आपसे मेरा प्यार का रिश्ता वैसा ही है। इस रिश्ते में कोई अंतर नहीं आया है। मैं आपकी नजरों में जो प्यार देख रहा हूं, मुझे उस पर गर्व है।'' शरीफ ने 1998 में विभिन्न देशों की सरकारों के भारी दबाव को याद किया जब पाकिस्तान भारत के परमाणु परीक्षण का जवाब देना चाहता था। शरीफ ने कहा, ''विदेश कार्यालय में रिकॉर्ड मौजूद होगा कि क्लिंटन ने मुझे पांच अरब अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी। यह 1999 में हुआ था...मुझे एक अरब डॉलर की पेशकश भी की जा सकती थी, लेकिन मैं पाकिस्तान की जमीन पर पैदा हुआ हूं और उसने मुझे पाकिस्तान के हक में जो भी है, उसे स्वीकार करने की अनुमति नहीं दी।''

शरीफ ने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''मुझे बताइए, अगर मेरी जगह कोई और होता, तो वह अमेरिका के राष्ट्रपति के सामने क्या यह बात कह सकता था?'' उन्होंने मीनार-ए-पाकिस्तान में पीएमएल-एन की रैली में लगभग 60 मिनट के अपने संबोधन में कहा, ''हमने परमाणु परीक्षण किया और भारत को परमाणु परीक्षण करने का करारा जवाब दिया।'' शरीफ ने कहा, ''तो क्या हमें इसके लिए सजा मिली? क्या इसी वजह से हमारे खिलाफ फैसले सुनाए जाते हैं?'' शरीफ ने कहा कि उन्होंने कभी अपने समर्थकों को धोखा नहीं दिया और न ही किसी तरह की कुर्बानी देने से पीछे हटे।

उन्होंने याद किया कि कैसे उनके, उनकी बेटी (मरयम) और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ फर्जी मामले बनाए गए थे। उन्होंने कहा, ''लेकिन किसी ने भी पीएमएल-एन का झंडा नहीं छोड़ा।'' उन्होंने कहा, ''बताओ, वे कौन हैं जिन्होंने नवाज शरीफ को उसके देश से अलग कर दिया? हम वो लोग हैं जिन्होंने पाकिस्तान बनाया। हमने पाकिस्तान को परमाणु शक्ति बनाया। हमने बिजली की कटौती को खत्म किया।'' उन्होंने तुलना की कि जब वह सत्ता में थे तब की तुलना में आज रोटी की कीमत कितनी अधिक है।

नवाज शरीफ ने मरियम को राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित किया!

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ ने प्रतिशोध की राजनीति नहीं करने का शनिवार को वादा किया। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ एक विकसित और समृद्ध पाकिस्तान देखना चाहते हैं।

73 वर्षीय नवाज ने ब्रिटेन में चार साल के स्व-निर्वासन के बाद स्वदेश लौटने के कुछ घंटे बाद शाम को मीनार-ए-पाकिस्तान में विशाल रैली को संबोधित किया। उन्होंने भीड़ के बीच एक तरह से अपनी बेटी मरियम को राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित करते हुए कहा-'मैं इस मिट्टी का बेटा हूं और मरियम इस मिट्टी की बेटी है।' पाकिस्तान के मीडिया में मीनार-ए-पाकिस्तान के इस राजनीतिक घटनाक्रम को प्रमुखता दी गई है।

नवाज शरीफ ने उत्साहित भीड़ से भावनात्मक अपील भी की। उन्होंने कहा- 'जब भी मुझे पाकिस्तान के सामने आने वाले मुद्दों को हल करने का मौका दिया गया, मैंने वफादारी के साथ देश की सेवा की है। मैं किसी भी बलिदान से कभी नहीं हिचका। आज यहां आप सबकी आंखों में वफा देखकर गर्व हो रहा है। राष्ट्र के साथ मेरा रिश्ता वैसा ही है, जैसा देश छोड़ने के समय था।' मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के संबोधन के केंद्र में मरियम ही रहीं। हालांकि उन्होंने अपने भाई शहबाज शरीफ की भी तारीफ की। उन्होंने कहा मरियम पाकिस्तान की बहादुर बेटी है। पीएमएल-एन प्रमुख शरीफ ने कहा कि उन्होंने अपनी मां और पत्नी को राजनीति के कारण खो दिया। वह यह बताते हुए भावुक हो गए कि कारावास के दौरान उन्होंने दोनों की मौत की आघात पहुंचाने वाली खबर का कैसे सामना किया। इस मौके पर मरियम नवाज ने कहा- 'मैंने सोचा था कि मीनार-ए-पाकिस्तान बहुत विशाल आयोजन स्थल है। मैंने यह कभी नहीं सोचा था कि यह पीएमएल-एन समर्थकों के लिए छोटा हो जाएगा।'

संयुक्त राष्ट्र के नेताओं, एजेंसियों ने गाजा में सहायता पहुंचने का स्वागत किया

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। , 22 अक्टूबर (वेब वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र के नेताओं और एजेंसियों ने मिस्र से राफा सीमा पार कर गाजा में मानवीय सहायता पहुंचने का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल एक छोटी सी शुरुआत है। उन्होंने इस दौरान अपनी तत्काल युद्धविराम के लिए की गई अपील को भी दोहराया।

इजिप्शियन रेड क्रिसेंट सोसाइटी के 20 ट्रकों के काफिले ने मानवीय आपूर्ति के साथ गाजा में प्रवेश किया। यह पहली खेप है जो सात अक्टूबर को इजराइल पर फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के बाद गाजा पहुंची है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने शनिवार को कहा, ÷मैं, इस संबंध में मिस्र के प्रति गहरा आभार व्यक्त करता हूं। लेकिन गाजा को इससे बहुत अधिक चाहिए, उन्हें आवश्यक पैमाने पर मानवीय सहायता की निरंतर आपूर्ति की आवश्यकता है।' गुतारेस ने शांति के लिए काहिरा शिखर सम्मेलन में कहा, 'हम इसे संभव बनाने के लिए संबंधित सभी पक्षों के साथ लगातार काम कर रहे हैं।'

संयुक्त राष्ट्र की पांच एजेंसियों संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और इजिप्शियन रेड क्रिसेंट सोसाइटी से पहली लेकिन सीमित जीवन रक्षक मानवीय आपूर्ति की खेप राफा सीमा को पार कर गाजा में पहुंची। यह खेप लाखों नागरिकों अधिकतर महिलाओं और बच्चों में से कुछ संख्या को तत्काल आवश्यक राहत जरूर प्रदान करेगी जो पानी, भोजन, दवा, ईंधन और अन्य आवश्यक चीजें के अभाव का सामने कर रहे हैं। एजेंसियों ने कहा, 'यह बहुत छोटी शुरुआत है और लक्ष्य बहुत बड़ा है। गाजा में 16 लाख लोगों से अधिक को आवश्यक मानवीय मदद की जरुरत है। बच्चे, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक खतरा है। गाजा की आधी से अधिक आबादी बच्चों की है।'

इजराइल-हमास के युद्ध में हमारी अहम भूमिका है : हिजबुल्ला अधिकारी

बेरूत। (एजेंसी)। लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला ने कहा है कि इजराइल और हमास के युद्ध में उसकी ''अहम भूमिका'' है और यदि इजराइल गाजा पट्टी पर जमीनी हमले शुरू करता है, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। हिजबुल्ला के उपनेता शेख नईम कासिम का यह बयान उस वक्त आया जब इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में बमबारी तथा ड्रोन से हमले किए और हिजबुल्ला ने इजराइल की ओर रॉकेट और मिसाइलें दागीं।

हिजबुल्ला ने कहा कि हमले में शनिवार को उसके छह लड़ाके मारे गए जो दो सप्ताह पहले शुरू हुए युद्ध के बाद एक दिन में मारे गए लोगों की सबसे बड़ी संख्या है। कासिम ने कहा कि लेबनान-इजराइल सीमा पर तनाव पैदा करने का हिजबुल्ला के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य है। उसने कहा, हम इजराइली दुश्मन को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें बता रहें है कि हम तैयार हैं। हमास ने कहा है कि अगर इजराइल गाजा में जमीनी हमले शुरू करता है तो हिजबुल्ला युद्ध में शामिल हो जाएगा। हमास के आतंकवादियों द्वारा दक्षिणी इजराइल के शहरों पर सात अक्टूबर को हमले किए जाने के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी की घेराबंदी कर दी और कई जवाबी हवाई हमले किए। मिस्र और गाजा के बीच की सीमा शनिवार को खोल दी गई, जिसके बाद लगभग दो सप्ताह से जारी इजराइली घेराबंदी की वजह से भोजन, दवा और पानी की कमी से जूझ रहे फलस्तीनियों के लिए सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की गई। सहायताकर्मियों के मुताबिक केवल 20 ट्रक को गाजा में जाने की अनुमति दी गई, जो जबरदस्त मानवीय संकट से निपटने के लिए अपर्याप्त है। गाजा जाने के लिए 200 से अधिक ट्रक लगभग 3,000 टन सहायता सामग्री लिए कई दिनों से सीमा पर खड़े थे। अस्पतालों का कहना है कि पूरे क्षेत्र में बिजली कटौती के कारण उनके पास चिकित्सा आपूर्ति और आपातकालीन जनरेटर के लिए ईंधन की कमी हो गई है। गाजा में हड्डियों के चिकित्सक डॉ. निदाल अबेद ने बताया कि जब वह पर्याप्त एनेस्थीसिया के बिना सर्जरी करते हैं तो मरीजों की चीखों से इलाज का इंतजार कर रहे घायल भी बुरी तरह डर जाते हैं। उन्होंने बताया कि अपर्याप्त चिकित्सा आपूर्ति और घायलों की भीड़ के बीच इलाज के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। वह मरीजों से खचाखच भरे फर्श, गलियारों और कमरों में इलाज करने के लिए मजबूर हैं। पर्याप्त चिकित्सा सामग्री के अभाव के बीच पट्टियों की जगह कपड़े, एंटीसेप्टिक के स्थान पर सिरका और सर्जरी के लिए कपड़े सिलने वाली सुई का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इस बात की अटकलें हैं कि ईरान समर्थित हिजबुल्ला उत्तरी इजराइल पर व्यापक पैमाने पर हमले कर इजराइल-हमास युद्ध में एक नया मोर्चा खोलने की कोशिश कर सकता है। हिज्बुल्ला के पास हजारों रॉकेट और मिसाइलों के अलावा विभिन्न प्रकार के ड्रोन हैं। कासिम ने कहा कि उनके संगठन ने लेबनान-इजराइल सीमा पर तनाव पैदा कर इजराइली सेना को उलझा रखा है ताकि वह गाजा पर हमले की तैयारी के बजाय उत्तरी क्षेत्र में व्यस्त रहें। उसने कहा, आपको क्या लगता है कि यदि आप फलस्तीनी प्रतिरोध को कुचलने की कोशिश करेंगे, तो क्षेत्र के अन्य लड़ाके कार्रवाई नहीं करेंगे? इस युद्ध में आज हमारी भी अहम भूमिका हैं।'' लेबनान की सरकारी 'नेशनल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि एक इजराइली ड्रोन ने इजराइल सीमा से लगभग 20 किलोमीटर उत्तर में सेजौड क्षेत्र में एक घाटी पर मिसाइल दागी। हिजबुल्ला ने तुरंत हमले की पुष्टि नहीं की, लेकिन अगर यह सच है तो यह एक बड़ी घटना होगी क्योंकि यह लेबनान का भीतरी इलाका है जो सीमा से बहुत दूर है। दक्षिण लेबनान में एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता ने शनिवार को भूमध्यसागरीय तट के करीब सीमा पर जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई देने की पुष्टि की।

बाइडेन ने भारतीय मूल की विदेश विभाग की पूर्व अधिकारी को इंडोनेशिया में दूत के रूप में चुना

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल की विदेश विभाग की पूर्व अधिकारी कमला शिरीन लखधीर को राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इंडोनेशिया में अमेरिकी राजदूत के रूप में काम करने के लिए चुना है। लखधीर ने लगभग 30 वर्षों तक विदेश विभाग में सेवा की है, हाल ही में एक कार्यकारी सचिव के रूप में कार्य किया।

2017 से 2021 तक मलेशिया में अमेरिकी राजदूत के रूप में सेवा देने से पहले, उन्होंने राजनीतिक मामलों के अवर सचिव के कार्यकारी सहायक के रूप में कार्य किया, और 2009 से 2011 तक उत्तरी आयरलैंड में अमेरिकी महावाणिज्यदूत के रूप में कार्य किया।

1991 में विदेश सेवा में शामिल होने वाले, लखधीर ने पहली बार सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास में सेवा की और समुद्री दक्षिण पूर्व एशियाई मामलों के कार्यालय के निदेशक थे, इसमें इंडोनेशिया के साथ अमेरिकी संबंधों की जिम्मेदारी भी शामिल है।

अपने करियर की शुरुआत में, वह पूर्वी एशियाई और प्रशांत मामलों के ब्यूरो में ताइवान समन्वय स्टाफ की उप समन्वयक थीं। उनके अन्य विदेशी कार्य चीन, इंडोनेशिया और सऊदी अरब में थे। भारतीय पिता और अमेरिकी मां के घर जन्मे लखधीर ने हार्वर्ड कॉलेज से बीए और नेशनल वॉर कॉलेज से एमएस की डिग्री हासिल की। वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट में पले-बढ़े, लखधीर के पिता 1940 के दशक में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में दाखिला लेने के लिए मुंबई से अमेरिका आ गए।

नेशनल म्यूजियम ऑफ अमेरिकन डिप्लोमेसी में प्रकाशित एक साक्षात्कार में, लखधीर का कहना है कि उनके माता-पिता की समृद्ध अंतरराष्ट्रीय पृष्ठभूमि और विदेश में पारिवारिक यात्राओं के परिणामस्वरूप उनका अंतर्राष्ट्रीय करियर बचपन में ही शुरू हुआ।

अनुभवों ने लखधीर को 1986 में हार्वर्ड कॉलेज से स्नातक होने के बाद दो साल के लिए चीन में एक शिक्षक के रूप में अपना करियर शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। वेबसाइट के अनुसार, वह अपनी भारतीय विरासत से जुड़ाव का श्रेय काफी हद तक अपनी मां को देती हैं, जिन्होंने उन्हें और उनके भाई को दक्षिण एशियाई संस्कृति से परिचित कराया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मणिपुर : आदिवासियों ने सीमावर्ती शहर मोरेह में 'अतिरिक्त' पुलिस कमांडो की तैनाती का विरोध किया

चुराचांदपुर (मणिपुर)। म्यांमा की सीमा से सटे मणिपुर के मोरेह शहर में आदिवासी महिलाओं का एक वर्ग पिछले कुछ दिनों से 'अतिरिक्त' पुलिस कमांडो की तैनाती के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा है। तेंगनोपाल जिले के कुकी बहुल शहर मोरेह से लगभग तीन किलोमीटर दूर चिकिम गांव में महिलाएं धरने पर बैठी हैं। अधिकारियों ने बताया कि असम राइफल्स के एक कमांडेंट और अन्य सुरक्षा अधिकारियों ने पिछले कुछ दिनों में प्रदर्शनकारियों के साथ कई बार बातचीत की लेकिन मुद्दे का समाधान अभी तक नहीं हुआ है। 'कुकी इंपी' और 'कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी' (सीओटीयू) जैसे कई आदिवासी संगठनों ने दावा किया कि शहर में इंफाल घाटी से अधिक पुलिस कर्मियों को शामिल करने के प्रयास चल रहे हैं और इससे शांति भंग हो सकती है। सीओटीयू ने एक बयान में कहा, 'अर्द्धसैनिक बलों और भारतीय सेना की मौजूदगी और मोरेह के भीतर शांति सुनिश्चित करने के बावजूद, हेलिकॉप्टरों के माध्यम से अतिरिक्त मेइती पुलिस की तैनाती गंभीर चिंता का विषय है।' इसमें दावा किया गया कि इंफाल पूर्वी जिले में हाल के अभियानों में हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी समुदाय को बदनाम करने के लिए 'पहले से गढ़ी' गई साजिश है। 'कुकी इंपी' ने इंफाल-मोरेह सड़क के किनारे काकचिंग लमखाई और वांगजिंग क्षेत्रों में मेइती लोगों द्वारा कथित तौर पर स्थापित की गई चौकियों को हटाने की भी मांग की।

जम्मू-कश्मीर के उरी में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'भारतीय सेना, जम्मु कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियों के 21 अक्टूबर 2023 को हुए संयुक्त अभियान में बलों ने बारामूला के उरी सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।' सेना ने बताया कि घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित करने की कोशिश की गई जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। सेना के अनुसार, छह पिस्तौल और चार हथगोले जब्त किए जा चुके हैं और अभियान अभी जारी है।

नांदेड़ में युवक ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में लिखी मराठा आरक्षण की बात

मुंबई। नांदेड़ जिले के हदगांव तहसील के बडग़ांव में बीती रात शुभम पवार नामक युवक ने जहर पीकर आत्महत्या कर ली। रविवार को सुबह गांववालों को जानकारी मिलते ही गांव में रोष फैल गया है। मौके पर पहुंची नांदेड़ पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जिसमें मराठा आरक्षण के लिए आत्महत्या करने की बात लिखी है।सुसाइड नोट में लिखा है कि मैं मराठा आरक्षण के लिए अपने जीवन का बलिदान दे रहा हूं। मेरा बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। जानकारी के अनुसार पिछले सप्ताह मुंबई में एक मराठा युवक ने मराठा आरक्षण के लिए आत्महत्या कर ली थी। मराठा क्रांति मोर्चा के समन्वयक विनोद पाटिल ने कहा है कि मराठा युवकों को अपना धीरज बनाए रखना चाहिए। इस तरह आत्महत्या करने से मराठा समाज का भला नहीं होने वाला है। उन्होंने मराठा युवकों से किसी भी तरह आत्महत्या जैसे कठोर कदम न उठाने की अपील की है। संपूर्ण मराठा समाज ने यह निर्णय लिया है कि जब तक मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 50 लाख की आर्थिक मदद, मृत युवक की बहन को सरकारी नौकरी, घर नहीं मिल जाता है, तब तक शव को कब्जे में नहीं लिया जाएगा।

यूपी के सरकारी स्कूल में छात्रों ने पढ़ी नमाज, प्रिंसिपल सस्पेंड

लखनऊ। यूपी की राजधानी में सरकारी प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापक को छात्रों के एक समूह को स्कूल परिसर में नमाज अदा करने की अनुमति देने के लिए निलंबित कर दिया गया है। प्रिंसिपल को शनिवार को निलंबित कर दिया गया और यह घटना शुक्रवार को हुई। जिला स्तर के एक शिक्षा अधिकारी ने कहा, 'स्कूल परिसर में नमाज अदा करना विभागीय दिशानिर्देशों के खिलाफ है।' स्कूल परिसर में कथित तौर पर छात्रों के एक समूह को नमाज अदा करते हुए दिखाने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह कार्रवाई की गई। लखनऊ बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अरुण कुमार ने कहा, 'शुक्रवार को लखनऊ के बेसिक शिक्षा नगर क्षेत्र-4 के प्राथमिक विद्यालय में कुछ बच्चों ने नमाज पढ़ी, जो विभागीय दिशानिर्देशों के विपरीत है। स्कूल के अन्य शिक्षकों ने भी इसकी पुष्टि की है।' नगर क्षेत्र जोन-4 लखनऊ के खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश कटियार द्वारा की गई मामले की जांच के दौरान यह बात सामने आई कि कुछ बच्चों ने स्कूल परिसर में नमाज पढ़ी थी। जांच अधिकारी की रिपोर्ट के अनुसार, उक्त विद्यालय की प्रधानाचार्या मीरा यादव को उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली 1999 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। बीएसए ने कहा, 'इसके अलावा, विद्यालय की अन्य शिक्षिकाओं तहजीब फातिमा एवं ममता मिश्रा को भी उक्त कृत्य में सहयोगी मानते हुए अलग से सख्त चेतावनी जारी की गई है।'

दिल्ली में हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब', आगे और खराब होने की आशंका

नई दिल्ली, । सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी और मौसम पूर्वानुमान व अनुसंधान (सफर) के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि शहर का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रविवार सुबह 302 तक पहुंच गया। धीरपुर में एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी के तहत 337 पर पीएम 2.5 के साथ गंभीर श्रेणी में प्रवेश कर गया। विशेषज्ञों का कहना है कि सोमवार को हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रह सकती है। पूसा में, एक्यूआई ने पीएम 2.5 को 232 'खराब श्रेणी' में दर्ज किया। लोधी रोड पर, पीएम 2.5 सांद्रता के साथ वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब श्रेणी के तहत 232 पर था और पीएम 10 भी मध्यम श्रेणी के तहत 161 पर था। आईआईटी दिल्ली स्टेशन पर पीएम 2.5, 283 खराब श्रेणी में था, जबकि पीएम 10, 165 मध्यम श्रेणी में पहुंच गया। शहर के मथुरा रोड पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 215 और पीएम 10 सांद्रता 206 के साथ खराब श्रेणी में था। सफर के पूर्वानुमान के अनुसार, सोमवार को शहर की वायु गुणवत्ता और खराब हो जाएगी। एक ?यूआई 311 तक पहुंच जाएगा और पीएम 10 की सांद्रता 210 खराब श्रेणी में आ जाएगी। दिल्ली के पड़ोसी शहरों नोएडा में वायु गुणवत्ता सूचकांक 273 और पीएम 10 की सघनता 268 रही, दोनों खराब श्रेणी में हैं, जबकि गुरुग्राम का एक्यूआई 186 और पीएम 10 की सघनता 162 मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। इस बीच, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने कहा कि प्रतिकूल मौसम संबंधी और जलवायु परिस्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में आने के कारण शनिवार को दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) चरण- दो लागू किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जीआरएपी के संचालन के लिए सीएक्यूएम उप-समिति ने शनिवार को हुई बैठक में आईएमडी/आईआईटीएम द्वारा दिल्ली के लिए उपलब्ध कराए गए वायु गुणवत्ता परिदृश्यों और वायु गुणवत्ता पूर्वानुमानों का जायजा लिया। उप-समिति ने दिल्ली के औसत एव ?यूआई के 23 अक्टूबर और 24 अक्टूबर को ग्रेप के चरण-दो के अनुमानित स्तर तक पहुंचने की संभावना को देखते हुए पूरे एनसीआर में ग्रेप के चरण-दो के अनुसार 11-सूत्रीय कार्य योजना लागू करने का निर्णय लिया है। 'संशोधित जीआरएपी के चरण- दो के तहत परिकल्पित सभी कार्रवाइयां - 'बहुत खराब' वायु गुणवत्ता, एनसीआर में सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा तत्काल प्रभाव से लागू की जानी चाहिए।' उप-समिति ने नागरिकों से ग्रेप के तहत नागरिक चार्टर का पालन करने और क्षेत्र में वायु गुणवत्ता को बनाए रखने और सुधारने के उद्देश्य से ग्रेप के उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन में सहायता करने का भी आग्रह किया। उन्होंने आगे निजी वाहनों का उपयोग कम करने और सार्वजनिक परिवहन का विकल्प चुनने का आग्रह किया। सीएक्यूएम ने आगे कहा कि औद्योगिक, वाणिज्यिक, आवासीय और कार्यालयों आदि सहित एनसीआर के सभी क्षेत्रों में डीजी सेटों के विनियमित संचालन के लिए कार्यक्रम को सख्ती से लागू किया जाए। इसमें आगे कहा गया है कि सीएनजी/इलेक्ट्रिक बस और मेट्रो सेवाओं को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त बेड़ा शामिल किया जाएगा और सेवा की आवृत्ति बढ़ाई जाएगी। इसमें कहा गया है, 'सर्दियों के दौरान खुले में बायो-मास और एमएसडब्ल्यू जलाने से बचने के लिए रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को सुरक्षा कर्मचारियों को आवश्यक रूप से इलेक्ट्रिक हीटर उपलब्ध कराने चाहिए।'

उत्तर प्रदेश में नौकरी और रोजगार की कोई कमी नहीं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश में नौकरी और रोजगार की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि युवा अपनी दिलचस्प के मुताबिक क्षेत्र का चयन कर खुद को प्रशिक्षण से जोड़कर तैयार करें और सरकार उनके रोजगार और नौकरी की गारंटी लेगी। आदित्यनाथ रविवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित रोजगार मेला एवं सेवायोजित प्रशिक्षणार्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण तथा स्वरोजगार के लिए 500 करोड़ रुपये के ऋण वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश में नौकरी व रोजगार की कोई कमी नहीं है। युवा अपनी अभिरुचि के अनुसार क्षेत्र का चयन करके खुद को प्रशिक्षण से जोड़कर तैयार करें। उनके रोजगार व नौकरी की गारंटी सरकार लेगी।'' उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, श्रम एवं सेवायोजन विभाग एवं राजकीय आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा, ''पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने जब हर हाथ को काम, हर खेत को पानी का नारा दिया था तब लोग इसे पूरा हो पाना असंभव मानते थे। मगर 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने इसे हकीकत में बदल दिया है। डबल इंजन की सरकार बिना भेदभाव हर हाथ को काम उपलब्ध करा रही है।''

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, मुद्रा योजना, विश्वकर्मा'' योजनाओं के जरिये देश में युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार की ढेरों संभावनाओं को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वृहद रोजगार मेले में आए जिन युवाओं को किसी कारणवश रोजगार नहीं मिल पाएगा, उन्हें 'पीएम-सीएम इंटर्नशिप' योजना से जोड़ा जाएगा। इन युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ मानदेय भी दिया जाएगा। मानदेय का आधा हिस्सा सरकार और आधा हिस्सा संबंधित औद्योगिक इकाई देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में निवेश नहीं आता था। अब 38 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जब ये निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरेंगे तो 1.10 करोड़ युवाओं को नौकरी व रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि अगर उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षण प्राप्त हो जाए तो उत्तर प्रदेश के युवाओं को अपने जिले में ही रोजगार मिल जाएगा। आदित्यनाथ ने कहा कि ''उत्तर प्रदेश में जब पारंपरिक शिल्प व उद्योगों को ऊंचाई देने के लिए एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना शुरू की गई तो लोग ऐसे शिल्प-उद्योगों को मरा हुआ कहते थे। वास्तव में ऐसा समझने वालों की सोच मरी हुई है।''

उन्होंने कहा, '' सरकार ने जब पूर्वजों की जीवंत धरोहर इन उद्योगों को टेक्नोलॉजी, ब्रांडिंग और मार्केटिंग से जोड़ा तो लॉकडाउन में इस क्षेत्र में 40 लाख लोगों को रोजगार दिया गया। लॉकडाउन में सरकार ने लोगों को दूसरे राज्यों से सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाया और रोजगार भी दिया। घर लौटा उत्तर प्रदेश का आदमी यहीं काम कर राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है।'' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जितने प्रतिशत लोग दूसरे राज्यों से लौटे, उतने ही प्रतिशत अर्थव्यवस्था बढ़ी है जबकि जिन राज्यों से वे आए, वहां अर्थव्यवस्था पर उतने ही प्रतिशत नकारात्मक असर पड़ा है।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस 'के' है कमलनाथ की : शिवराज

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि महाराष्ट्र की शिवसेना जैसा हाल मध्य प्रदेश में कांग्रेस का हो गया है। यहां कांग्रेस 'के' है जो कमलनाथ की कांग्रेस है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा, 'हम वादे नहीं, हम काम कर हैं और जो काम कर रहे हैं, वो बता रहे हैं। कांग्रेसी रोज झूठे वादे करते हैं, कांग्रेस ने मोहब्बत की दुकान नहीं बल्कि झूठ की दुकान खोल रखी है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं, यह दूसरा महाझूठ पत्र तो ले आए, पहले वचन पत्र का क्या हुआ।' मुख्यमंत्री चौहान ने कांग्रेस के वचन पत्र पर कहा, 'कांग्रेसी महाझूठ पत्र निकाल रहे हैं। मध्यप्रदेश की जनता इन पर भरोसा नहीं करेगी। समझ में नहीं आता, मध्य प्रदेश में किसकी कांग्रेस है। कांग्रेस सोनिया गांधी की है या मल्लिकार्जुन खड़गे की है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस 'के' हो गई है, जो कमलनाथ की कांग्रेस है। वही सर्वे कर रहे हैं, वही टिकट बांट रहे हैं, कार्यकर्ता प्रदर्शन कर कपड़े फाड़ रहे हैं, पुतले जला रहे हैं, दशहरे से पहले ही पुतले जल रहे हैं। जैसे शिवसेना महाराष्ट्र में दो हिस्सों में बट गई, वैसे ही मध्य प्रदेश में कांग्रेस दो हिस्सों में बंट गई है।' मुख्यमंत्री चौहान ने आगे कहा कमलनाथ ने तो इंडी गठबंधन का भी सत्यानाश कर दिया। न गठबंधन का कोई भविष्य है और न ही कांग्रेस का कोई भविष्य है।

2024 से पहले मोदी सरकार की बड़ी तैयारी, योजनाओं के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए शुरू करेगी व्यापक अभियान

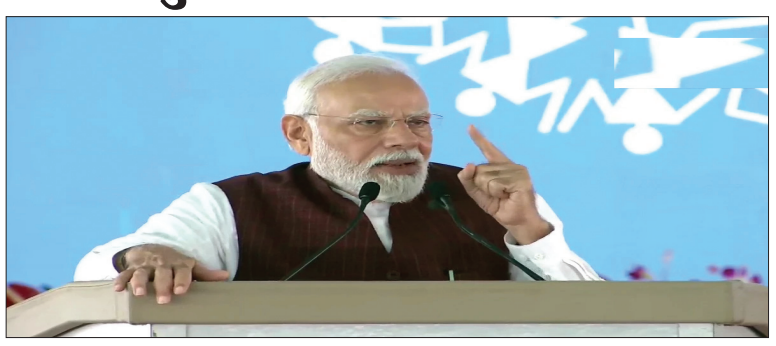

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि कल्याणकारी योजनाओं की संतृप्ति में तेजी लाने की जरूरत है। आधिकारिक सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि उनकी सभी योजनाएं अगले 6 महीनों में पूर्ण संतृप्ति तक पहुंच जाएं। फिर से एक कैबिनेट बैठक में, उन्होंने अपने कैबिनेट सहयोगियों को कड़ी मेहनत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया कि जिन लाभार्थियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, उनतक वह तेजी से पहुंचें।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सभी योजनाओं की पूर्ण संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए, भारत सरकार ने %विकसित भारत संकल्प यात्रा% नामक एक मेगा संतृप्ति अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। यह अभियान देश की सभी 2.7 लाख पंचायतों में चलाया जाएगा और रथ लाभार्थियों तक पहुंचने और उनका नामांकन करने के लिए यात्रा करेंगे। यह संतृप्ति अभियान दिवाली के बाद शुरू होने वाला है और कई हफ्तों तक चलेगा। यह अभियान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम किसान, फसल बीमा योजना, पोषण अभियान, उज्ज्वला योजना आदि आयुष्मान भारत, जनऔषधि योजना, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, कौशल विकास योजनाओं विश्वकर्मा योजना और बहुत कुछ जैसी योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करेगा।

इससे पहले नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के सशक्तीकरण और जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाने पर हुई प्रगति की समीक्षा के लिए मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इन योजनाओं की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री खुद सभी परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। 2024 में लोकसभा चुनाव होने है। यही कारण है कि सरकारी योजनाओं में तेजी लाने की कोशिश हो रही है। यह अभियान ऐसे वक्त शुरू किया जा रहा है जब सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मोदी के नेतृत्व में 2014 और 2019 के आम चुनावों में बड़ी जीत के बाद लगातार तीसरे कार्यकाल की तलाश में अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए तैयार हो रही है।

भारत ने फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता भेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने आज भारतीय वायु सेना के एक विमान से फिलिस्तीन के लोगों के लिए 38.5 टन चिकित्सा एवं राहत सामग्री भेजी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने आज यहां बताया कि भारतीय वायु सेना के सी 17 परिवहन विमान से फिलिस्तीन के लोगों के लिए लगभग 6.5 टन चिकित्सा सहायता और 32 टन आपदा राहत सामग्री भेजी गई है। उन्होंने कहा कि यह विमान मिस्र में एल-अरिश हवाई अड्डे पर राहत सामग्री उतारेगा, जहां से यह गाजा पट्टी इलाके में अंतरराष्ट्रीय रेडक्रास के जरिए पहुंचायी जाएगी। उन्होंने कहा कि भेजी गई राहत सामग्री में आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं, सर्जिकल उपकरण, तंबू, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, स्वच्छता सुविधाएं, जल शुद्धिकरण टैबलेट सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं।

आज़म खान को सता रही जान की चिंता, कहा- हमारा एनकाउंटर हो सकता है

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता आज़म खान और उनके बेटे अब्दुल्लाह आजम खान को उत्तर प्रदेश की रामपुर जेल से निकलकर सीतापुर और हरदोई जेल में भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक आजम खान को रविवार की सुबह लगभग पौने पांच बजे रामपुर जेल से बाहर निकल गया।

जेल से बाहर निकालने के दौरान आजम खान ने आशंका जताई कि उनका एनकाउंटर किया जा सकता है। बता दें कि आजम खान की पत्नी और पूर्व राज्यसभा सांसद तंजीन फातिमा को रामपुर जिला जेल में ही रखा गया है और उन्हें किसी अन्य जेल में शिफ्ट नहीं किया गया है। गौरतलब है की आजम खान, और उनके बेटे अब्दुल्लाह आजम को डबल जन्म प्रमाण पत्र मामले में आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को कोर्ट ने 18 अक्टूबर को 7-7 साल की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया है।

जेल अधिकारियों का कहना है कि दोनों नेताओं को दूसरे जेल में भेजा गया है। इसमें आजम खान अब सीतापुर जेल में रहेंगे जबकि अब्दुल्ला को हरदोई जेल में भेजा गया है। बता दें कि अब्दुल्ला आजम खान के दो अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्रों के मामले में 18 अक्टूबर 2023 को आजम खान उनकी पत्नी पूर्व सांसद डॉ. तजीन फातिमा और छोटे बेटे अब्दुल आजम खान को अदालत ने दोषी करार दिया था। इसके बाद कोर्टने दोनों को सात वर्ष की सजा सुनाई थी। अदालत के आदेश के बाद दोनों को रामपुर जिला कारागार भेज दिया गया था। अदालत के आदेश के बाद अब आजम और अ?दुल?ला की जेलें बदल दी गई है। हालांकि आजम की पत्नी तजीन फातिमा की जेल को नहीं बदला गया है। वो अब भी रामपुर जिला जेल में ही रहेंगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी, कहा- राजनीति से दूर रखें सेना को

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने सशस्त्र बलों के राजनीतिकरण को बढ़ावा न दिए जाने की मांग की है। चिट्ठी के जरिए उन्होंने कहा कि नौकरशाही और सशस्त्र बलों के राजनीतिकरण को बढ़ावा देने वाले आदेश तत्काल रूप से वापस लिए जाने चाहिए।

इस चिट्ठी में मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया है कि सरकार की सभी एजेंसियां, संस्थान विभाग आदि मोदी सरकार के प्रचारक के तौर पर पेश होने लगे हैं। इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर कहा है कि भारत सरकार के संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव जैसे कई पदों पर तैनात अधिकारियों को देश के सभी 765 जिलों में तैनात किया गया है ताकि वो केंद्र सरकार की उपलब्धियों का गुणगान कर सके। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह कदम बेहद चिंताजनक है।

साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि यह केंद्रीय सिविल सेवा आचरण नियम 1964 का भी उल्लंघन है जिसमें निर्देश दिया गया है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी राजनीतिक गतिविधि में हिस्सा नहीं ले सकता है। सरकारी कर्मचारियों को उपलब्धियां का

प्रदर्शन करने के लिए केंद्र सरकार ने राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की यह एक राजनीतिक व्यवस्था है ताकि पांच राज्यों के चुनावों और 2024 के आम चुनावों में लाभ हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार की मार्केटिंग गतिविधियों के लिए विभागों के सीनियर अफसरों को लगाया जा रहा है, ऐसे में हमारे देश का शासन अगले छह महीनों के लिए रुक जाएगा।

सैनिकों लेकर जाहिर की चिंता

इस पत्र में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वार्षिक छुट्टी पर गए सैनिकों को सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के लिए समय बिताने के निर्देश दिए गए है। इस संबंध में रक्षा मंत्रालय ने आदेश पारित किया है। इसका विरोध करते हुए खड़गे ने कहा कि सैनिकों का काम देश की रक्षा करना है ना की सरकारी योजनाओं को बढ़ावा देना।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में आएंगे प्रधानमंत्री समेत सभी प्रदेशों के राज्यपाल व मुख्यमंत्री

अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर निर्माणाधीन राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा चारों शंकराचार्य शामिल होंगे। देशभर के विभिन्न मत पंथों के करीब चार हजार साधु संत, विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े करीब 10 हजार अति विशिष्ट अतिथि इस पल के साक्षी बनेंगे।

मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का देश-दुनिया में लाइव प्रसारण किया जायेगा। इसकी व्यवस्था श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से रहेगी। इस दौरान अयोध्या आने वाले अतिथियों के ठहरने व भोजन की उत्तम व्यवस्था की जा रही है।

सभी प्रदेशों के राज्यपाल व मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा आमंत्रण

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से भारत के सभी प्रदेशों के राज्यपाल व मुख्यमंत्रियों को आमंत्रण भेजा जाएगा। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सभी खेलों के बड़े खिलाड़ी, प्रख्यात साहित्यकार, वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकारों को आमंत्रित किया जाएगा। 1990 की कारसेवा में बलिदानी हुतात्माओं के परिजनों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में विदेशों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे।

अयोध्या के तीन स्थानों पर बन रही टेंट सिटी

श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से शामिल होने आ रहे विशिष्ट अतिथियों के ठहरने के लिए अयोध्या के तीन स्थानों पर टेंट सिटी बनाई जा रही है। इसमें कारसेवक पुरम में निर्मित टेंट सिटी में 200, बाग विदेशी में बनने वाली टेंट सिटी में दो हजार व छोटी छावनी के प्राकृतिक चिकित्सालय में बनने वाली टेंट सिटी में 200 कमरे बनेंगे। वहीं वीवीआईपी के लिए 200 कमरे और अन्य अतिथियों के ठहरने के लिए 800 कमरे होटलों में बुक कर दिये गये हैं। इन अतिथियों को लाने ले जाने व अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग के लिए विश्व हिन्दू परिषद के करीब 500 कार्यकर्ताओं को लगाया जाएगा।

हर हिन्दू घर में आमंत्रण के साथ भेजा जाएगा राम मंदिर का चित्र

विश्व हिन्दू परिषद के प्रान्त संगठन मंत्री राजेश ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण प्रत्येक हिन्दू घर में भेजा जाएगा।

उन्होंने बताया कि विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता श्रीराम जन्मभूमि से पूजित हल्दी व अक्षत, राम मंदिर का चित्र व निवेदन पत्र लेकर हर घर में जाएंगे और अयोध्या आने का आमंत्रण देंगे। यह अभियान 01 जनवरी से 15 जनवरी तक सारे देश में चलेगा। प्रान्त संगठन मंत्री ने बताया कि 22 जनवरी 2024 को देशभर के सभी मंदिरों में सुन्दर काण्ड व हनुमान चालीसा का पाठ होगा। वहीं मंदिर पर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण भी श्रद्धालुओं को दिखाया जाएगा।

पूरे फरवरी माह चलेगा दर्शन का क्रम

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद रामलला के दर्शन का क्रम 26 जनवरी 2024 से लेकर पूरे फरवरी माह चलेगा। दर्शन की अवधि में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रान्त के अनुसार तय तिथि को दर्शन होंगे। सभी प्रान्तों के रामभक्तों को दर्शन के लिए एक-एक दिन मिलेंगे। इस दौरान अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं के भोजन के लिए 13 स्थानों पर रसोई चलेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उधना की सोनल सब्जी मंडी में सब्जी की जगह शराब बेचे जाने की शिकायत

मुनि की संपत्ति में अवैध कारोबार लेकिन फिर भी तंत्र धृतराष्ट्र की भूमिका में

पंद्रह साल पहले सोनल एस्टेट में सब्जी मंडी का निर्माण कर स्टॉल आवंटित किए गए थे, लेकिन मेले नहीं लगने से शराब तस्कर शराब बेच रहे हैं।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर पालिका ने सार्वजनिक सड़कों पर दबाव कम करने के लिए कई सब्जी मंडियां बनाई हैं, लेकिन उनका सही तरीके से उपयोग नहीं होने के कारण कई स्थानों पर सिरफिरे तत्व सब्जी मंडियों पर कब्जा कर अवैध गतिविधियां कर रहे हैं। उधना क्षेत्र में एक सब्जी मंडी वीरान हो गई है , इसलिए इस पर अवैध शराब बेचने वालों ने कब्जा कर लिया है और शराब बेचने की भी शिकायतें आ रही हैं।

सूरत नगर पालिका ने सार्वजनिक सड़कों पर सब्जियों और फलों की बिक्री को रोकने के लिए सभी क्षेत्रों में सब्जी बाजार बनाए हैं। नगर पालिका ने 56 सब्जी मंडियां बनाई हैं लेकिन 22 मंडियों में विक्रेता ही नहीं हैं। इसके चलते कुछ सब्जी मंडियों का दुरुपयोग शुरू हो गया है. चूंकि नगर पालिका ने सब्जी बाजार के निर्माण के बाद उसकी उचित देखभाल नहीं की, इसलिए कतारगाम क्षेत्र में वर्तमान में बने सब्जी बाजार को ध्वस्त करने और उसके स्थान पर एक वार्ड कार्यालय बनाने का निर्णय लिया गया है।

हालांकि नगर पालिका द्वारा बनाई गई कुछ सब्जी मंडियां लोगों के लिए आफत बन गई हैं । उधना में सोनल औद्योगिक क्षेत्र की सब्जी मंडी पंद्रह साल पहले बनी होने के बावजूद इसका उपयोग नहीं हो रहा है। इस क्षेत्र में सब्जी विक्रेता सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण करते हैं और यातायात में बाधा बनते हैं। उधर, सब्जी मंडी का नगर निगम... इसका उपयोग नहीं होने से शराब बेचने वाले तस्करों ने सोनल सब्जी मंडी पर कब्जा कर लिया है. स्थानीय लोगों का कहना है , इस इलाके में नगर निगम की सब्जी मंडी में सब्जियां तो नहीं मिलती , लेकिन शराब जरूर मिलती है. शिकायत के बावजूद कि सब्जी मंडी में शराब बेची जा रही है, मु. सिस्टम के नहीं जागने से गांधी के गुजरात के उधना की सोनल सब्जी मंडी में शराब बिक रही है. इस स्थान पर सब्जी विक्रेताओं को दुकानें आवंटित की गई थीं, जो यहां बैठने के बजाय गांधी कुटिया , कल्याण कुटिया , दक्षेश्वर नगर आदि क्षेत्रों में सार्वजनिक सड़कों पर अपनी गाड़ियां खड़ी कर देते हैं। इन ट्रकों के खिलाफ नगर निगम. इसका अनुपालन नहीं होने से इस क्षेत्र में ट्रैफिक उपद्रव लगातार बढ़ रहा है.

एक पार्षद ने पिछले दिनों शिकायत की थी लेकिन...

भाजपा पार्षद ने थाने में शिकायत की कि उधना जोन क्षेत्र के सोनल औद्योगिक क्षेत्र में सब्जी मंडी में शराब बेची जा रही है। जिसके बाद पुलिस हरकत में आई , लेकिन कुछ समय बाद सोनल शक मार्केट में फिर से शराब का कारोबार शुरू हो गया है और शिकायत करने वाले पार्षद अब शिकायत नहीं कर रहे हैं.

पांडेसरा में एक इमारत को तोड़ते समय स्लैब गिरने से 2 लोग घायल हो गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पांडेसरा में एक जर्जर इमारत को तोड़ते समय पहली मंजिल के स्लैब का एक हिस्सा गिरने से दो मजदूर युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल युवकों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां दोनों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है.

पांडेसरा पीयूष पॉइंट के पास एक जर्जर इमारत को तोड़ने का काम चल रहा था। रविवार दोपहर पांडेसरा कैलास नगर में रहने वाले मजदूर 35 वर्षीय रामचन्द्र प्रजापति और 32 वर्षीय मनराज राधेश्याम शाह पहली मंजिल का स्लैब तोड़ने का काम कर रहे थे। इसी दौरान दोनों मजदूर स्लैब के हिस्से पर खड़े होकर स्लैब तोड़ रहे थे. वह हिस्सा अचानक ढह गया और दोनों स्लैब के कुछ हिस्सों के साथ पहली मंजिल से नीचे गिर गया।

स्लैब वाले हिस्से में गिरे मलबे के बीच दोनों दब गए। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले लोगों ने दोनों को मलबे से निकाल लिया था। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए 108 एम्बुलेंस से न्यू सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां दोनों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है.

हजीरा में पकड़ा गया टैंकर से केमिकल चोरी का रैकेट,1 करोड़ की कीमत जब्त

2 टैंकर ड्राइवर रंगे हाथ पकड़े गए

केरबा में 95 लीटर केमिकल डंप करते हुए 2 टैंकर चालक रंगे हाथ पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

इच्छापुर पुलिस ने हजीरा रोड पर एक टैंकर से केमिकल चोरी के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मोरगाम से कवास पाटिया की ओर एनटीपीसी पुल के मलबे के गोदाम के पास दो टैंकर चालकों की संदिग्ध गतिविधि का पता चला।

इच्छापुर पीआई गोहिल के निर्देश पर स्टाफ ने शुक्रवार आधी रात को छापा मारा और दो टैंकर चालकों को सील तोड़कर 95 लीटर केमिकल टैंक में छोड़ते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। चोरी किया गया केमिकल राजस्थान भेजा जाना था।

पुलिस ने अमाद इब्राहिम राजा (45) (निवासी, गगोदरा, ता-रापर, कच्छ) और इंदरसिंह चित्तरसिंह रावत (राजपूत) (23) (निवासी, सिंधदियागाम, जिला ब्यावर) को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी टैंकर चालक हैं। पुलिस ने 50 लाख की कीमत और रुपये से भरे 2 टैंकर जब्त किए। काराबा में भरा 95 लीटर केमिकल, 80.28 लाख रु 28,500 मिले हैं और कुल 1.03 करोड़ जब्त किए गए हैं. टैंकर हजीरा अदानी पोर्ट से आनंद, कानपुर, यूपी के लिए प्रस्थान करते हैं। एजेंसी स्टाफ ने ड्राइवर को सील लगा दी कंपनी छोड़ने से पहले केमिकल से लदे टैंकरों को कंपनी में तैनात ट्रांसपोर्ट एजेंसी के लोग सील कर देते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि एजेंसी वाले ड्राइवर को सील मारने की इजाजत दे देते हैं।

इस अपराध में यह भी हुआ है कि एजेंसी के आदमी ने ड्राइवर को सील की हत्या करने की इजाजत दे दी. जिसमें चालक ने टैंकर का वाल्व तो सील कर दिया,

लेकिन उसे ढीला रखा। बाहर सड़क पर जहां भी मौका मिला, उसे केमिकल कार्बा में निकाल लिया गया और फिर उसे अच्छी तरह से सील कर मार दिया गया।

बेलीमोरा में 39 करोड़ की लागत से बना 900 मीटर लंबा देसरा फ्लाईओवर तैयार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

39 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बेलीमोरा में देसरा गेट के ऊपर रेलवे फ्लाईओवर के पूरा होने के बाद आने वाले दिनों में 35,000 से अधिक लोगों को लाभ होगा। रेलवे की फ्रेट कॉरिडोर योजना के तहत नवसारी जिले में भी रेलवे फाटक के ऊपर फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है. अब तक, ६ फ्लाईओवर बनाए और चालू किए जा चुके हैं, जिनमें मारोली, सागरा, गांधीस्मृति, वेडछा, अंचेली और बिलिमोरा नॉर्थ गेट शामिल हैं। अब इस प्रोजेक्ट में एक और फ्लाईओवर बनकर तैयार है.

जानकारी के मुताबिक, बिलीमोरा में देसरा रेलवे गेट नंबर-107 पर भी फ्रेट कॉरिडोर योजना के तहत फ्लाईओवर बनाया जा रहा था. करीब 39 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस पुल का काम काफी हद तक पूरा हो चुका है. मालूम हो कि अगले कुछ दिनों में फ्लाईओवर वाहन चालकों के लिए खोल दिया जाएगा. पुल खुलने से 35 हजार से ज्यादा लोगों को फायदा होगा. साथ ही पिछले कुछ समय से वाहन चालकों को हो रही परेशानी भी खत्म हो जाएगी.

देवी दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के लिए चार जोन में कृत्रिम तालाब बनाए गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पिछले कुछ वर्षों से नवरात्रि के दौरान माताजी की मूर्ति स्थापित करने का चलन बढ़ रहा है। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों से तापी नदी में मूर्तियों के विसर्जन पर प्रतिबंध है, जिस तरह गणेश विसर्जन के लिए नगर पालिका एक कृत्रिम झील बनाती है, उसी तरह नवरात्रि दरमायिन पर, दुर्गा माता की मूर्ति को विसर्जित करने के लिए नगर पालिका ने चार क्षेत्रों में कृत्रिम झीलें बनाई हैं। इसे समुद्र में विसर्जित कर दिया जाएगा.

पिछले कुछ वर्षों से सूरत शहर में शुरू हुआ नवरात्रि के दौरान दुर्गा माताजी की प्रतिमा स्थापित करने का चलन अब बढ़ता जा रहा है। शहर की कई आवासीय सोसायटियों में माताजी का गरबा खेला जाता है, जहां मंदिर बनाकर माताजी की सतवीर स्थापित की जाती है और आरती की जाती है। लेकिन कई जगहों पर मां दुर्गा की मूर्तियां स्थापित की जाती हैं। नौ दिनों की पूजा के बाद माताजी की मूर्ति को विसर्जित कर दिया जाता है।

पिछले कुछ दिनों में माताजी की मूर्तियों की स्थापना में तेजी आई है और दूसरी ओर एनजीटी के आदेश के बाद सूरत में तापी नदी, झील और नहर में मूर्तियों के विसर्जन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिसके कारण नगर पालिका द्वारा चार जोनों में चार तालाबों का निर्माण किया गया है। गणेश जी की तरह दुर्गा माता की मूर्तियों के विसर्जन के लिए। नगर पालिका ने दक्काओवारा में एस्सार जेट्टी, भेस्तान फायर स्टेशन के पीछे, लंका विजय ओवारा और सरथाना वीटी सर्कल के पास एक प्रतीकात्मक निगरानी की घोषणा की है। इसके साथ ही नगर पालिका ने लोगों से अपील की है कि एनजीटी के आदेश और नदी में प्रदूषण रोकने के लिए घर या मंडप में ही करने को कहा गया है. यदि ऐसा नहीं किया गया तो इसे नगर पालिका द्वारा बनाई गई कृत्रिम झील में प्रवाहित करना होगा। नगर पालिका ने चार पुलिस स्टेशनों की सीमा के भीतर चार क्षेत्रों में चार कृत्रिम तालाब बनाए हैं और भक्तों से उनमें विसर्जन करने की अपील की है।

वराछा में उमियाधाम के परिसर में 20 हजार दीपक जले, आसपास की कई इमारतों की छतों पर सैकड़ों श्रद्धालु हाथों में दीपक लेकर शामिल हुए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वराछा के उमिया धाम मंदिर परिसर में अठमा महापर्व के मौके पर करीब ढाई दशक से महाआरती का आयोजन किया जा रहा है. रविवार रात को 20 हजार से अधिक दीपकों की पारंपरिक महाआरती की गई। आरती के प्रारंभ में कार्यकर्ता हाथों में मशालें लेकर मैदान में पहुंचे।

महज 5 मिनट में पूरे मैदान की लाइटें जगमगा उठीं. दो बहनें सिर पर 3 फीट का सब्बल और उस पर 7 मतलियाँ लेकर सामने खड़ी थीं।

बाकी बहनें सिर पर 3 मंजिला गरबी रखे हुए थीं। रंग-बिरंगी रोशनी से सजा मंदिर, मैदान में दीपक लेकर खड़े हजारों भक्त और आसपास की इमारतों में भी सैकड़ों भक्त हाथों में दीपक लेकर आरती में शामिल हुए। मंदिर परिसर में पार्किंग की भी व्यवस्था की गयी थी.

सभी बीआरटीएस मार्गों पर दुर्घटनाओं की अधिक घटनाओं के बावजूद 80 प्रतिशत स्विंग गेट निष्क्रिय

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस कमिश्नर की अधिसूचना और जुर्माने के प्रावधान के बावजूद बीआरटीएस रूट पर निजी वाहन फर्राटा भरते हैं। नगर निगम सतर्कता विभाग का झूला गेट भी चालू है या बंद है? मॉनिटरिंग के लिए इसके सक्रिय होने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है. इतना ही नहीं लोग बिना गेट वाले नहर मार्ग पर जॉगिंग-वॉकिंग कर रहे हैं। हुक्मरानों को 4 साल बाद बंद पड़े झूले गेटों की याद आई है। स्थायी आदेश के बाद भी स्विंग गेट संचालन कंपनी ने अभी तक शेष 225 बंद स्विंग गेटों का संचालन नहीं किया है। करोड़ों की लागत से 276 झूले गेट लगाए

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे